भारतीय जन संचार संस्थान
(समविश्वविद्यालय)

पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिन्दी)

भारतीय भाषा (हिन्दी) पत्रकारिता विभाग

पाठ्यक्रम

सत्र : 2026-27

पत्रकारिता में
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिन्दी)

पाठ्यक्रम

सत्र : 2026-27

भारतीय भाषा (हिन्दी) पत्रकारिता विभाग

"आ नो भद्रा : क्रतवो यन्तु विश्वत:"
(ऋग्वेद 1-89-1)
"हमारे लिए सभी दिशाओं से कल्याणकारी विचार आते रहें"
Let noble thoughts come to us from every side.

भारतीय जन संचार संस्थान
(समविश्वविद्यालय)
नई दिल्ली

"पत्रकारिता का मुख्य ध्येय सेवा है...पत्रकारिता का असली काम जनता के मस्तिष्क को शिक्षित करना है न कि उसे जरूरी और गैर-जरूरी धारणाओं से भर देना है.."

– मोहनदास करमचन्द गाँधी

"जो वाक्य असत्य, दु:खदायी और खोटा हो, उसको किसी भी अवस्था में मुंह से न निकालना, यह वाणी का सात्विक तप है..."

– महामना मदन मोहन मालवीय

'आप्तोपदेशः शब्दः'

अर्थ- आप्त पुरुषों अर्थात श्रेष्ठ आचरण करने वाले ज्ञानी-मनीषियों का कथन 'शब्द' नामक प्रमाण कहा जाता है।
(न्याय दर्शन, प्रथम अध्याय, प्रथम आह्निक, सूत्र क्रमांक : 07)

भारतीय जन संचार संस्थान
नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान के मुख्य उद्देश्य :

क) देश के सामाजिक और आार्थिक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संचार-माध्यमों के उपयोग और विकास के लिए शोध कार्य और प्रशिक्षण आयोजित करना।

ख) केन्द्र और राज्य सरकारों के सूचना और प्रसारण अधिकारियों को प्रशिक्षण देना। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सूचना और प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएँ जुटाना।

ग) विभिन्न विश्वविद्यालयों, शैक्षिक एवं शोध संस्थानों और व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों के सहयोग से संचार, सूचना और प्रचार की समस्याओं पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित करना।

घ) उन्मुखीकरण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ और संचार के क्षेत्र में देश-विदेश के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित करना।

शैक्षणिक कैलेंडर (सत्र : 2026-27)

क्र.सं. (S.No.)	शैक्षणिक गतिविधि (Academic Event)	विषम सेमेस्टर / Odd Semester (I & III)	सम सेमेस्टर / Even Semester (II & IV)
1.	सत्र का प्रारम्भ (Commencement of Session)	मंगलवार, 4 अगस्त, 2026 (4th August 2026)	—
2.	पंजीकरण एवं दस्तावेज़ सत्यापन Registration & Document Verification at Delhi Campus	4 और 5 अगस्त, 2026 (4th and 5th August, 2026)	—
3.	सत्रारंभ व्याख्यान Orientation Lectures	6 और 7 अगस्त, 2026 (6th and 7th August, 2026)	—
4.	कक्षाएं प्रारंभ Commencement of Classes	सोमवार, 10 अगस्त 2026 Monday, 10 August 2026	सोमवार, 4 जनवरी 2027 Monday, 4 January 2027
5.	मध्यावधि अवकाश Mid-Semester Recess	शनिवार, 7 नवंबर 2026 से रविवार, 15 नवंबर 2026 Saturday, 7 November 2026 to Sunday, 15 November 2026	रविवार, 7 मार्च 2027 से रविवार, 14 मार्च 2027 Sunday, 7 March 2027 to Sunday, 14 March 2027
6.	कक्षाओं का पुनः आरंभ Resumption after Mid-Semester Recess	सोमवार, 16 नवंबर 2026 Monday, 16 November 2026	सोमवार, 15 मार्च 2027 Monday, 15 March 2027
7.	नियमित कक्षाओं का अंतिम दिन Last Day of Regular Classes	शुक्रवार, 27 नवंबर 2026 Friday, 27 November 2026	गुरुवार, 23 अप्रैल 2027 Thursday, 23 April 2027
8.	प्रायोगिक परीक्षाएं और तैयारी की छुट्टी Practical Examinations and Preparation Leave	28 नवंबर – 13 दिसंबर 2026 (लगभग 2 सप्ताह) 28 November – 13 December 2026 (approx. 2 weeks)	24 अप्रैल – 9 मई 2027 (लगभग 2 सप्ताह) 24 April – 9 May 2027 (approx. 2 weeks)
9.	सैद्धांतिक परीक्षाओं का प्रारंभ Commencement of Theory Examinations	सोमवार, 14 दिसंबर 2026 Monday, 14 December 2026	सोमवार, 10 मई 2027 Monday, 10 May 2027
10.	शीतकालीन मध्यावकाश Winter Recess	शुक्रवार, 25 दिसंबर 2026 से रविवार, 3 जनवरी 2027 Friday, 25 December 2026 to Sunday, 3 January 2027	—
11.	ग्रीष्मकालीन अवकाश Summer Vacation	—	मंगलवार, 1 जून 2027 से सोमवार, 20 जुलाई 2027 (7 सप्ताह) Tuesday, 1 June 2027 to Monday, 20 July 2027 (7 weeks)

भारतीय भाषा (हिन्दी) पत्रकारिता विभाग

पाठ्यक्रम संरचना

सेमेस्टर I										
Course Code	Course Title	NEP Category	Credits		Marks			Tut. Hrs (Non Credit)	Total Credit (Hours)
			L.	P.	T	P	Total		
PGDHJ001	संचार की अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत	CC*	3	1	60	40	100	7	4 (75)
PGDHJ002	पत्रकारिता की अवधारणा, प्रेस का इतिहास, प्रेस विधि एवं नैतिकता	CC*	3	1	60	40	100	5	4 (75)
PGDHJ003	समाचार लेखन : अवधारणा और प्रक्रिया	CC*	3	1	50	50	100	8	4 (75)
PGDHJ004	डिजिटल पत्रकारिता एवं एआई टूल्स	SEC **	2	2	40	60	100	5	4 (90)
PGDHJ005	संपादन : व्यावहारिक अभ्यास	AEC***	1	3	40	60	100	5	4 (105)
		कुल	12	8	500			30	420
			20					450 Hours	

सेमेस्टर II										
Course Code	Course Title	NEP Category	Credits		Marks			Tut. Hrs (Non Credit)	Total Credit (Hours)
			L.	P.	T	P	Total		
PGDHJ006	विकास पत्रकारिता	CC*	3	1	60	40	100	5	4(75)
PGDHJ007	जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया एवं प्रबंधन	CC*	3	1	60	40	100	5	4(75)
PGDHJ008	प्रसारण पत्रकारिता	CC*	3	1	50	50	100	5	4(75)
PGDHJ009	दृश्य-श्रव्य (ऑडिओ-विज़ुअल) सम्पादन	SEC **	0	3	40	60	100	8	4(90)
PGDHJ010	टेलीविजन शोध : कार्यक्रम निर्माण	AEC***	1	2	40	60	100	7	4(105)
	इंटर्नशिप रिपोर्ट		0	4					
		कुल	10	12	500			30	420
			22					450 Hours	

NEP Category : CC* - Core Course, SEC**- Skill Enhancement Course, AEC***- Ability Enhancement Course

Credit : *L.- व्याख्यान, *P.- व्यावहारिक अभ्यास, *Tut. - ट्यूटोरियल

Marks : *T- सैद्धांतिक अंक, *P- प्रायोगिक अंक

टिप्पणी :

1. सैद्धांतिक पत्र हेतु एक क्रेडिट के लिए 15 घंटों की कक्षा/व्याख्यान एवं व्यावहारिक पत्र हेतु एक क्रेडिट के लिए 30 घंटों का अभ्यास/कार्यशाला निर्धारित है। अर्थात साप्ताहिक रूप से सैद्धांतिक पत्रों में एक क्रेडिट के लिए प्रतिसप्ताह एक घंटा और प्रायोगिक में एक क्रेडिट के लिए न्यूनतम दो घंटे प्रतिसप्ताह निर्धारित हैं।
2. अंकों का यह विभाजन सिर्फ अध्यापन और मूल्यांकन की सुविधा के लिए किया गया है। जैसा कि स्पष्ट किया जा चुका है कि सभी विषयों और उनमें उल्लिखित माड्यूल्स का नियमित और सत्रांत परीक्षा के जरिये मूल्यांकन किया जाएगा जिसमें सैद्धांतिक प्रश्न/क्विज/अभ्यास कार्य/प्रस्तुति आदि से लेकर उसके व्यावहारिक असाइनमेंट/प्रस्तुति/चर्चा/रिपोर्ट लेखन/संपादन आदि शामिल हैं। विद्यार्थियों को दोनों (सैद्धांतिक और प्रायोगिक) तरह के असाइनमेंट या परीक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए।

लैब जर्नल के नियम :

1. आठ से दस छात्रों के प्रत्येक समूह को कम से कम 10 प्रायोगिक समाचार पत्र निकालने होंगे। यह प्रायोगिक पत्र प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन का आधार होंगे।
2. प्रत्येक लैब जर्नल के संपादक अलग-अलग विद्यार्थी होंगे, जिससे कि सभी विद्यार्थियों को संपादन के कार्य एवं दायित्वों को सीखने-समझने का अवसर मिले। प्रूफ रीडिंग, फोटो एडिटिंग और डिजाइनिंग जैसी जिम्मेदारियां भी टीम के सदस्यों और मार्गदर्शक की सहमति से आपस में बदलती रहनी चाहिए।
3. प्रत्येक लैब जर्नल की विषय-वस्तु मीडिया कानून एवं नैतिकता को ध्यान में रखकर चयनित की जाए, लिखी और संपादित की जाए।
4. अपने संस्थान और विभाग की गरिमा को सर्वोपरि रखते हुए उससे संबंधित समाचार या स्टोरी बगैर उपयुक्त प्राधिकारी की अनुमति के लैब जर्नल में प्रकाशन का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए।
5. प्रत्येक लैब जर्नल को विभाग द्वारा बताये गये समय पर विभाग के आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजना अनिवार्य है एवं निर्धारित समय पर कक्षा में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना है।
6. आवश्यकता पड़ने पर रिपोर्टिंग/कवरेज के अभ्यास क्रम में दिल्ली/एनसीआर में अधिकतम 2 दिनों के लिए जाया जा सकता है, इसके लिए कोर्स निदेशक/प्रभारी अध्यापक से लिखित रुप में अनुमति लेना आवश्यक है। प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में एक-एक बार (पूरे पाठ्यक्रम के दौरान कुल 2 बार) रिपोर्टिंग/कवरेज पर जाने की अनुमति मिल सकती है। रिपोर्टिंग समाप्त होने के अगले कार्य दिवस में संबंधित रिपोर्ट उचित प्रारूप में विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

अनुशासन संबंधी दिशानिर्देश :

प्रशिक्षुओं से यह अपेक्षा है कि वह संस्थान की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अनुशासन संबंधी नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करें।

इस संबंध में निम्नलिखित निर्देशों का पूरा ध्यान रखें :

1. कक्षा में मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल (बिना अनुमति फोटोग्राफी, ऑडियो-विडियो रिकॉर्डिंग), उस पर बात करने की अनुमति नहीं है। इसी तरह संस्थान के अंदर, कॉरीडोर, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष और मंच में मोबाइल फ़ोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है।
2. कक्षाओं के दौरान विद्यार्थी फार्मल ड्रेस में रहें एवं विद्यार्थियों से अपेक्षा होगी कि वे कक्षाओं के शिष्टाचार का पूरी तरह से पालन करेंगे। संस्थान में धूम्रपान और पान-गुटके आदि का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।
3. संकाय सदस्यों, अतिथि संकाय, कर्मचारियों और सहपाठियों के साथ आदरपूर्वक, विनम्रतापूर्ण व्यवहार अपेक्षित और अनिवार्य है।
4. किसी भी प्रकार का अशालीन व्यवहार, अपशब्द, जाति या संप्रदाय आधारित टिप्पणी और महिलाओं पर छींटाकशी और उनके साथ दुर्व्यवहार को अक्षम्य अनुशासनहीनता माना जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

प्रथम पत्र PGDHJ 001	संचार की अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 7 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 7 = कुल 82 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 60** **प्रायोगिक अंक : 40** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- संचार/जनसंचार की अवधारणा, उसकी प्रक्रिया और सिद्धांतों से अवगत कराना।
- संचार में भाषा की भूमिका और उसके महत्त्व को रेखांकित करना।
- प्रेस सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय संचार व्यवस्था को समझाना।
- भारतीय ज्ञान परंपरा एवं प्राचीन संचार पद्धतियों को रेखांकित करना।
- संचार की प्रक्रिया और राष्ट्र निर्माण में भाषा की भूमिका को समझाना ।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु संचार के सिद्धांतों और आधुनिक मीडिया माध्यमों की गहरी समझ विकसित कर सकेंगे।
- प्रशिक्षु पारंपरिक स्टोरी टेलिंग और दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतिकरण के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो सकेंगे।
- भ्रामक सूचनाओं को पहचानकर वे राष्ट्र निर्माण में एक ज़िम्मेदार और सभ्य नागरिक बनेंगे।
- वे भारतीय ज्ञान परंपरा के साधारणीकरण और रस सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से अपना सकेंगे।
- प्रशिक्षु समाज की विविधता के अनुरूप संवेदनशील और प्रभावी भाषाई संदेश तैयार करने में सक्षम हों सकेंगे।

खंड–1 **(L-10 घंटे, T-2 घंटे)**

संचार की अवधारणा और प्रक्रिया

- संचार : अवधारणा और प्रक्रिया, संचार के तत्व, कार्य और सामाजिक भूमिका
- संचार के प्रकार : अन्तःवैयक्तिक, अन्तर्वैयक्तिक, समूह संचार और जनसंचार (परिभाषा, विशेषताएं, कार्य और सामाजिक भूमिका),
- शाब्दिक और मौखिक संचार, संचार में अवरोध, दैहिक संकेतों एवं अन्य संकेतकों/चिन्हों/प्रतीकों का महत्व
- वाचिक संचारः अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व, स्टोरी टेलिंग, प्रमुख भारतीय वाचिक संचारक- 'आल्हा-उदल', तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, तुकडोजी महाराज, नानकदेव, महाकवि भूषण आदि।
- संचार कौशल : आवश्यकता, महत्त्व, विभिन्न अवयव और उनका अभ्यास

खंड–2 **(L-10 घंटे, T-2 घंटे)**

संचार के प्रमुख प्रतिरूप (मॉडल)

- भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित नाद-ब्रह्म मॉडल एवं चित्त वृत्ति मॉडल (उपाध्याय/ दहिया, आईआईएमसी, नई दिल्ली)
- महात्मा गांधी प्रणीत सर्वोदय संचार मॉडल, एकात्म मानव दर्शन आधारित संचार मॉडल
- अरस्तू (एरिस्टोटल) की वक्तृत्व (रेटरिक) संबंधी परिभाषा
- लासवेल का मॉडल, शैनन-वीवर का गणितीय मॉडल, बर्लो का एसएमसीआर मॉडल
- चार्ल्स ऑसगुड मॉडल, न्यूकॉम्ब का संचार मॉडल, जॉर्ज गर्बनर का मॉडल, विल्बर श्रैम का अंतःक्रियात्मक (इंटरेक्टिव) मॉडल, डांस का हेलिकल मॉडल
- पारिस्थितिकीय (इकोलॉजिकल) मॉडल

खंड-3 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

प्रेस प्रक्रिया एवं सिद्धांत

- राजनैतिक सिद्धांत **:** प्रेस के चार सिद्धांत (प्रभुत्ववादी सिद्धांत, उदारवादी सिद्धांत, सामाजिक उत्तरदायित्व का सिद्धांत, साम्यवादी सिद्धांत, विकासात्मक, लोकतांत्रिक सहभागिता सिद्धांत), टू-स्टेप/मल्टी स्टेप फ्लो सिद्धांत,
- मीडिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव (ऐक्टिव एवं पैसिव ऑडियंस), हाइपोडर्मिक नीडल, गेट कीपिंग
- समाजशास्त्रीय संचार सिद्धांत : आलोचनात्मक और सांस्कृतिक सिद्धांत (मास सोसायटी थ्योरी)
- मार्शल मैक्लुहान के मीडिया दृष्टिकोण की मीमांसा
- भारतीय ज्ञान परंपरा में संचार और उसके सिद्धांत: अवधारणा और प्रक्रिया, सहृदय और साधारणीकरण; नाट्य शास्त्र; रस एवं ध्वनि सिद्धांत के संबंध में भरतमुनि और अभिनव गुप्त का योगदान, अन्य प्राचीन भारतीय दार्शनिक संचारक यथा- देवर्षि नारद, महर्षि वेदव्यास, महर्षि वाल्मीकि आदि

खंड–4 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

अंतरराष्ट्रीय संचार व्यवस्था और उससे जुड़े सिद्धांत

- सूचना का प्रवाह,
- सूचना का साम्राज्यवाद
- प्रोपगैंडा, विश्व में सूचना और संचार की नई व्यवस्था (मैनी वॉयसेस वन वर्ल्ड)
- वैश्वीकरण और नए विमर्श, सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक शक्ति) का महत्व

खंड–5 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

भाषा और जनसंचार : व्यवहारिक ज्ञान

- जनसंचार प्रक्रिया में भाषा की भूमिका : पाठकों की विविधिता की समझ
- समाज में भाषा का महत्व : राष्ट्र निर्माण में भाषा की भूमिका

खंड-6 **P- 30 घंटे (40 अंक)**

प्रायोगिक कार्य

प्रायोगिक कार्य के अंतर्गत सभी विद्यार्थी व्यक्तिगत या समूह में आवंटित किये गये आंतरिक/बाह्य संकाय सदस्य/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में भाषा के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित सत्रीय कार्य, स्टोरी टेलिंग (स्क्रिप्ट, वीडियो आदि) पीपीटी या दृश्य-श्रव्य के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- उपाध्याय, गिरीश (2018). संचार : अवधारणा एवं प्रक्रिया : स्वामी विवेकानंद. भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय.
- कुमार, केवल जे (2017). भारत में जनसंचार. मुंबई : जैको पब्लिशिंग हाउस.
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर (1996). जनमाध्यम और मास कल्चर. नई दिल्ली : सारांश प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप (1981). भाषा और संवेदना. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
- झा, प्रवीण कुमार (2022). संचार माध्यम : अतीत व वर्तमान (खंड 1 एवं खंड 2). गाज़ियाबाद : के.एल. पचौरी प्रकाशन.
- तिवारी, उदय नारायण (2016). हिंदी भाषा का उद्गम और विकास. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
- त्रिपाठी, राधावल्लभ (2018). वाद और संवाद की भारतीय परम्पराएं. रामटेक : कविकुल गुरु संस्कृत विश्वविद्यालय.
- द्विवेदी, हजारी प्रसाद (2013). संस्कृति और समाज. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- धूलिया, सुभाष (2001). सूचना क्रांति की राजनीति व विचारधारा. नई दिल्ली : ग्रंथशिल्पी.
- पारख, जवरीमल्ल (2000). जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य. नई दिल्ली : ग्रंथशिल्पी.
- पारख, जवरीमल्ल (2010). जन संचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श. नई दिल्ली : ग्रंथ शिल्पी.

- मैतलार्त, आर्मंड, एवं मैतलार्त, मिशेल (2010). संचार के सिद्धांत. नई दिल्ली : ग्रंथ शिल्पी.
- मिश्र, विद्यानिवास (2004). हिंदी और हम. नई दिल्ली : ग्रन्थ अकादमी.
- शर्मा, पद्मसिंह (2016). हिंदी, उर्दू और हिन्दुस्तानी. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन.
- शर्मा, राधा वल्लभ, एवं सिंह, उमेश कुमार (सं.). (2015). भाषा और संस्कृति. भोपाल : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी.
- शर्मा, शिवशरण (2015). आचार्य भरत. भोपाल : मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी.
- सिंह, ओम प्रकाश (2018). संचार के मूल सिद्धांत. प्रयागराज : लोकभारती प्रकाशन.
- सौमित्र, अनिल (2022). संचार का समाजशास्त्र. भोपाल : मध्यप्रदेश ग्रन्थ अकादमी.
- Adhikari, N. (n.d.). Theory and practice of communication : Bharata Muni. Bhopal : Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita Avam Sanchar Vishwavidyalaya.
- Dahiya, S. (Ed.). (2026). Understanding communication : Concepts, contexts and contemporary practices (Book chapter by Dr Rakesh Kumar Upadhyay & Prof Surabhi Dahiya). Singapore : Springer Singapore.
- Digital International Media Literacy Education [DIMLE]. (2019). *The digital international media literacy e-book project*.
- Durant, A., & Lambrou, M. (2009). Language and media. New York, NY : Routledge.
- Kishore, D. (n.d.). Handbook of communication research. Bhopal : Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication.
- Kumar, K. J. (2011). Mass communication in India. Mumbai : Jaico Publishing House.
- Malhotra, R., & Neelakandan, A. (2011). Breaking India. New Delhi : Amaryllis - an Imprint of Manjul Publishing House.
- Malhotra, R., Sastry, M., & Singh, K. (2025). Battle for consciousness theory. New Delhi : Occam (an imprint of BluOne Ink).
- McQuail, D. (1987). Mass communication theory : An introduction. New Delhi : Vistaar Publications.
- Ruhlen, M. (1996). The origin of language : Tracing the evolution of the mother tongue. New York, NY : Wiley.
- Schramm, W., & Roberts, D. F. (1971). The process and effects of mass communication. Urbana, IL : University of Illinois Press.
- Thussu, D. K. (2000). International communications : Continuity and change. London : Arnold Publishers.

*****

द्वितीय पत्र PGDHJ 002	पत्रकारिता की अवधारणा, प्रेस का इतिहास, प्रेस विधि एवं नैतिकता

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 5 = कुल 80 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 60** **प्रायोगिक अंक : 40** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पत्रकारिता, समाज में उसकी भूमिका और कार्यों के बारे में अवधारणात्मक समझ विकसित करना।
- पत्रकारिता के इतिहास और विकास की प्रक्रिया से परिचित कराना।
- प्रशिक्षार्थियों को पत्रकारिता के वैधानिक और नैतिक पहलुओं, उसके मूल्यों और दायित्वों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षार्थी पत्रकारिता के विविध स्वरूपों और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रशिक्षार्थी मीडिया कानूनों, आरटीआई और साइबर नियमों के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो जाएंगे।
- प्रशिक्षार्थी पत्रकारीय नैतिकता को अपनाकर समाज में एक सभ्य नागरिक बनेंगे।
- प्रशिक्षार्थी स्वतंत्रता संग्राम से लेकर डिजिटल युग तक की पत्रकारिता इतिहास का विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्रशिक्षार्थी पीआईबी (PIB) और प्रेस परिषद जैसी नियामक संस्थाओं की कार्यप्रणाली को गहराई से समझ सकेंगे।

खंड–1 **(L-9 घंटे, T-1 घंटा)**

पत्रकारिता की अवधारणा

- पत्रकारिता : अवधारणा, उद्भव, उद्देश्य और सामाजिक-राजनीतिक महत्व
- पत्रकारिता के प्रमुख आधारतत्व और उनका विकास
- समाज में पत्रकारिता की भूमिका : राष्ट्र-राज्य, लोकतंत्र, नागरिकता-बोध और पत्रकारिता : चौथे खम्भे की अवधारणा : पारदर्शिता
- और जवाबदेही : लोकतंत्र में विचारों और सूचनाओं की विविधता और बहुलता
- पत्रकारिता के प्रकार : सत्यान्वेषक (खोजी) पत्रकारिता, वैकल्पिक पत्रकारिता (सामुदायिक और नागरिक), समाधानपरक पत्रकारिता, कनवर्जेंस पत्रकारिता।

खंड–2 **(L-9 घंटे, T-1 घंटा)**

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास

- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका
- उदंत मार्तंड से वर्तमान तक अलग-अलग कालखंडों में हिंदी पत्रकारिता की स्थिति
- पहला कालखंड (1826 - 1876) : हिंदी पत्रकारिता का उदय काल
- दूसरा कालखंड (1876 -1926) : भारतेंदु-द्विवेदी युग और राष्ट्रीय चेतना
- तीसरा कालखंड (1926 -1976):मिशन से प्रोफेशन एवं आपातकाल
- चौथा कालखंड (1976 - 2026/वर्तमान) : तकनीकी क्रांति, भूमंडलीकरण और डिजिटल युग
- स्वातंत्र्योत्तर भारत में पत्रकारिता की भूमिका : राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां
- आपातकाल के दौर में पत्रकारिता : सेंसरशिप और दबाव
- भारत में प्रेस की प्रगति और विस्तार (1977-1991) : हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

- उदारीकरण (1991) और उसके बाद की पत्रकारिता : प्रमुख प्रवृत्तियां- कारपोरेटीकरण, संपादक की संस्था, विस्तार और प्रसार, अंतर्वस्तु पर प्रभाव
- 21 वीं सदी के पहले दो दशकों में हिंदी और भाषाई पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियां
- प्रमुख हिंदी समाचार पत्र : साप्ताहिक हिन्दुस्तान, आज, दिनमान, रविवार, दैनिक जागरण, अमर उजाला, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर और राजस्थान पत्रिका, धर्मयुग, पान्चजन्य, ऑर्गनाइजर और दैनिक स्वदेश आदि।
- प्रमुख संपादक : भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, पं. मदन मोहन मालवीय, लोकमान्य तिलक, गणेश शंकर विद्यार्थी, महात्मा
- गाँधी, बाबूराव विष्णु पराड़कर, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, राजेन्द्र माथुर, प्रभाष जोशी, भानु प्रताप शुक्ल और सुरेन्द्र प्रताप सिंह।
- भारत में संवाद समितियाँ (न्यूज एजेंसी)

खंड–3 **(L-9 घंटे, T-1 घंटा)**

मीडिया कानून

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता : अवधारणा, भारतीय संविधान में प्रावधान, उपयुक्त प्रतिबन्ध और उससे जुडी बहसें
- न्यायालय की अवमानना और विधायिका के विशेषाधिकार
- सरकारी गोपनीयता कानून और सूचना का अधिकार कानून, निजता का अधिकार : अवधारणा, मुद्दे और चुनौतियाँ
- घृणास्पद अभिव्यक्ति (हेट स्पीच) से संबंधित कानून
- प्रतिलिप्याधिकार (कॉपीराइट) कानून और पुस्तक एवं समाचार पत्र पंजीकरण कानून
- मानहानि कानून
- श्रमजीवी पत्रकार कानून और वेतन बोर्ड
- प्रसारण और फिल्म क्षेत्र के लिए कानून : प्रसारण संहिता, टेलीग्राफ एक्ट, केबल टीवी नेटवर्क (रेग्यूलेशन) कानून, सिनेमैटोग्राफ
- कानून, प्रसार भारती कानून
- साइबर क्षेत्र के लिए कानून : सूचना तकनीक कानून (आइटी एक्ट), प्रतिलिप्याधिकार (कॉपीराइट) उल्लंघन, साइबर अपराध, सूचना तकनीक (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता नियम), 2021
- संचार माध्यमों में महिलाओं संबंधी प्रस्तुतिकरण अधिनियम, 1986

खंड–4 **(L-9 घंटे, T-1 घंटा)**

पत्रकारीय आचार संहिता और मूल्य

- मीडिया नियमन : आधार, सिद्धांत और विकास, नियमन के विभिन्न रूप (राज्य नियमन, स्व नियमन, सह-नियमन)
- भारतीय प्रेस आयोग : पहले और दूसरे प्रेस आयोग का गठन, पृष्ठभूमि और उसकी प्रमुख अनुशंसाएँ
- पत्रकारीय नैतिकता का आधार और विकास : नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत के आधार पर पत्रकारीय नैतिकता
- पत्रकारीय आचार संहिता : प्रोफेशनल संगठनों, मीडिया समूहों और नियामकों की आचार संहिताएँ
- पत्रकारिता में नैतिक दुविधा : मीडिया ट्रायल और मीडिया एक्टिविज्म बनाम पत्रकारिता
- पत्रकारीय नैतिकता से विचलन : स्टिंग पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, पेड न्यूज, प्राइवेट ट्रीटीज़, मीडिया नेट, लॉबिंग

खंड–5 **(L-9 घंटे, T-1 घंटा)**

मीडिया नियमन एवं संबंधित संगठन

- प्रेस/प्रसारण नियमन संस्थाएँ : प्रेस परिषद- अधिकार और चुनौतियाँ , ट्राई, एनबीए (एनबीएसए) आईबीएफ
- खबरपाल (ओम्बुड्समैन) : पाठक-संपादक की भूमिका और महत्व
- अंतरराष्ट्रीय संगठन : अंतरराष्ट्रीय प्रेस संस्थान, यूनेस्को, आईसीएफजे
- राष्ट्रीय संगठन : आईएनएस, एडिटर्स गिल्ड, आईएफडब्ल्यूजे, एनयूजे (आई), आईजेयू, बीईए आदि एसोसिएशन

राष्ट्रीय सूचना और संचार व्यवस्था

- सरकारी सूचना तंत्र की दृष्टि और अवधारणा
- सार्वजनिक सूचना तंत्र : पीआईबी, पीआईबी- फैक्ट चेक, केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी)
- प्रांतीय सरकारी सूचना और जन संपर्क विभाग
- राष्ट्रीय मीडिया नीति और नियमन : प्रिंट, टीवी, रेडियो, डिजिटल, और फिल्म नीति व नियमन; चुनौतियां और मुद्दे

खंड-6 **P-30 घंटे (40 अंक)**

व्यावहारिक अभ्यास/असाइनमेंट

आंतरिक/बाह्य शिक्षक/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में प्रत्येक विद्यार्थी को दिए गए मीडिया कानून, मीडिया नियमन एवं संबंधित संगठन से संबंधित कार्य, प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों के महत्व एवं हिंदी पत्रकारिता के प्रमुख पत्रकारों के कार्य/योगदान के बारे में दिये गये असाइनमेंट/पीपीटी को मूल्यांकन हेतु विभाग में प्रस्तुत करना होगा।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- कौल, जवाहरलाल (2012). हिंदी पत्रकारिता का बाजार भाव. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- कुमार, प्रमोद (2019). आधुनिक भारत के गुमनाम समाज-शिल्पी. नई दिल्ली : गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति.
- कुमार, प्रमोद (2020). पत्रकारों के लिए शैक्षिक योग्यता कितनी आवश्यक? कितनी व्यावहारिक. नई दिल्ली : किताबवाले प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद (2004). हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास. दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, उमेश (2014). बाजारवाद के दौर में पत्रकारिता. बीकानेर : वाग्देवी प्रकाशन.
- जेफ्री, रोबिन (2004). भारत में समाचार पत्र क्रांति. नई दिल्ली : भारतीय जनसंचार संस्थान (आई.आई.एम.सी.).
- तिवारी, अर्जुन (1997). हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास. नई दिल्ली : प्रवीण प्रकाशन.
- तिवारी, अर्जुन (2013). मीडिया समग्र. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- दीक्षित, हरबंस (2007). प्रेस विधि और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- नटराजन, जे. (2002). भारतीय पत्रकारिता का इतिहास. नई दिल्ली : प्रकाशन विभाग.
- पचौरी, सुधीश (2010). मीडिया और साहित्य. नई दिल्ली : राजसूर्य प्रकाशन.
- मिश्र, कृष्णबिहारी (1985). हिन्दी पत्रकारिता. नई दिल्ली : भारतीय ज्ञानपीठ.
- मेहता, आलोक (2009). पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा. नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन.
- मेहता, आलोक (2022). भारत में पत्रकारिता (संशोधित सं.). नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास.
- रंगास्वामी, पार्थसारथी (2011). जर्नलिज्म इन इंडिया. नई दिल्ली : स्टर्लिंग पब्लिशर्स.
- राव, चलपति (1977). समाचार पत्र. नई दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट (एन.बी.टी.).
- शम्भुनाथ. (2016). हिंदी पत्रकारिता : हमारी विरासत. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- सिंह, महावीर (1991). भारत का संविधान. लखनऊ : ईस्टर्न बुक कंपनी.
- सिंह, राम गोपाल (2006). वैश्वीकरण, मीडिया और समाज. जयपुर : नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
- श्रीधर, विजयदत्त (2008क). भारतीय पत्रकारिता कोश (भाग-1). नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- श्रीधर, विजयदत्त (2008ख). भारतीय पत्रकारिता कोश (भाग-2). नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- श्रीधर, विजयदत्त (2018). समकालीन पत्रकारिता. नई दिल्ली : प्रकाशन संस्थान.
- श्रीधर, विजयदत्त (2026). समग्र भारतीय पत्रकारिता, पहली सदी : 1780-1880. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- Basu, Durga Das (1996). Introduction to the constitution of India. Calcutta : S.C. Sarkar & Sons.
- Basu, Durga Das (2006). Laws of the press (5th ed.). New Delhi : Prentice Hall of India.
- Bhushan, Sandeep (2019). The Indian newsroom. Chennai : Context (An imprint of Westland Publications).
- Dhavan, Rajeev (1987). Only the good news : The law of the press in India. New Delhi : Manohar Publications.

- Iggers, Jeremy (1998). Good news, bad news : Journalism ethics and the public interest. Oxford : Westview Press.
- Khan, Mohammed Ansar (1995). The history of Urdu press. New Delhi : Classical Publishing Company.
- Murlidharan, Sukumar (2019). Freedom, civility, commerce : Contemporary media and the public. New Delhi : Three Essays Collective.
- Philipose, Pamela (2019). Media's shifting terrain : Five years that transformed the way India communicates. New Delhi : Orient BlackSwan.
- Thakurta, Paranjoy Guha (2012). Media ethics : Truth, fairness and objectivity (2nd ed.). New Delhi : Oxford University Press.

*****

तृतीय पत्र PGDHJ 003	समाचार लेखन : अवधारणा और प्रक्रिया

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 8 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 8 = कुल 83 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 50** **प्रायोगिक अंक : 50** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- समाचार की अवधारणा, समाचार मूल्य की पहचान और समाचार लेखन की प्रक्रिया से परिचय कराना
- विशेषीकृत बीट समेत रिपोर्टिंग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना।
- प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के माध्यम के लिए लिखने के लिए सक्षम बनाना। इसके लिए सूचना संग्रहण, प्रसंस्करण और प्रेषण के कौशल का प्रशिक्षण देना शमिल है।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षार्थी समाचार के तत्वों, स्रोतों और विविध लेखन शैलियों की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- वे क्राइम, कोर्ट, खेल, स्वास्थ्य, फिल्म और आर्थिक बीट रिपोर्टिंग के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो जाएंगे।
- विभिन्न वर्गों, मानवाधिकारों और संवेदनशील मुद्दों पर ज़िम्मेदार रिपोर्टिंग द्वारा समाज में एक सभ्य नागरिक बन सकेंगे।
- प्रशिक्षार्थी शेयर बाजार, बजट और नीति आयोग जैसी जटिल आर्थिक परिघटनाओं के विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- वे विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ग्राउंड रिपोर्ट, फिल्म समीक्षा, कॉलम और संपादकीय लेखन तैयार कर सकेंगे।

खंड–1 **(L-10 घंटे, T-2 घंटे)**

समाचार अवधारणा

- समाचारःअवधारणा, परिभाषा, तत्व और समाचार मूल्य का विकास
- समाचार मूल्य की पहचान : प्रमुख मानक, भारतीय समाचार मूल्य एवं पाश्चात्य समाचार मूल्य
- समाचार स्रोत और संवाद संग्रहण के नैतिक पहलू
- समाचार की बदलती अवधारणा : मुद्दे और चुनौतियाँ
- समाचार संग्रहण : सूचना के स्रोत, अवलोकन, साक्षात्कार और शोध
- समाचार और रिपोर्टिंग के प्रकार : विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक, विवरणात्मक और खोजी रिपोर्टिंग
- न्यूज़ एजेंसी और समाचार पत्रों, टेलीविज़न और रेडियो तथा वेबसाइट की रिपोर्टिंग में अंतर
- न्यूज एजेंसी, समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो और टेलीविज़न में रिपोर्टिंग विभाग का ढाँचा और कार्यप्रणाली
- संवाददाता, प्रमुख संवाददाता और ब्यूरो प्रमुख की भूमिका, कार्य और गुण

समाचार लेखन की प्रक्रिया

- समाचार मूल्य की जांच
- समाचार का ढांचा : समाचार आमुख और उसके प्रकार, समाचार का विस्तार (बॉडी) और समापन
- समाचार लेखन की प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य बातें
- समाचार लेखन की प्रमुख शैलियाँ : उल्टा पिरामिड, फीचर शैली, रेत घड़ी शैली और नट ग्राफ़

खंड–2 **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

रिपोर्टिंग के प्रकार : बीट और ब्यूरो पर आधारित

- बीट और उससे जुड़े स्रोत : स्रोत विकसित करने की कला; सूचनाओं और तथ्यों की खोज, छानबीन और चयन की प्रक्रिया
- प्रेस कांफ्रेंस, प्रेस रिलीज और सभा, सेमिनार-भाषण से समाचार संकलन
- रिपोर्टिंग और सोशल मीडिया : स्रोत, संवाद, जांच-पड़ताल और वितरण; रिपोर्टर के लिए सोशल मीडिया हैंडल
- स्थानीय रिपोर्टिंग : शहर और स्थानीय निकायों की खबरें
- क्राइम रिपोर्टिंग : स्रोत, जाँच-पड़ताल, संबंधित कानून और अपराध संहिता, (भारतीय न्याय संहिता, आईपीसी और सीआरपीसी)
- राजनीतिक रिपोर्टिंग : आवश्यक तैयारी, राजनीतिक दलों और राजनीति, विधान सभा और संसद की रिपोर्टिंग
- संवेदनशील मुद्दे : देश की एकता-अखंडता, सामाजिक सौहार्द से जुड़े मुद्दों के संदर्भ में ध्यान रखने योग्य बातें, भारत विरोधी विदेशी प्रचारतंत्र के षडयंत्रों के संदर्भ में सजगता, आतंकवाद समर्थक प्रचार-मुहिम के प्रति सतर्कता।
- मानवाधिकार एवं हाशिए के वर्गों संबंधी रिपोर्टिंग : ध्यान रखने योग्य बातें
- महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित रिपोर्टिंग : तैयारी और ध्यान रखने योग्य बातें

खंड-3 **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

विशेषीकृत रिपोर्टिंग

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- पर्यावरण और मौसम परिवर्तन की रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- आपदा रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- रक्षा रिपोर्टिंग : आंतरिक और वाह्य
- उपभोक्ता मामलों की रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- लीगल और कोर्ट रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- कृषि, जैविक खेती, ग्रामीण एवं परंपरागत कौशल कला, ग्रामीण रिपोर्टिंग : क्षेत्र और स्वरुप, स्रोत, शोध, रिपोर्टिंग और लेखन प्रक्रिया और ध्यान रखने वाली बातें
- धर्म-संस्कृति, स्थापत्य कला एवं लोकोत्सवों की रिपोर्टिंग

खंड–4 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग

- भारतीय अर्थव्यवस्था : प्रमुख क्षेत्र, विशेषताएं, जीडीपी और घटक, वृद्धि/विकास और मुद्रास्फीति, राष्ट्रीय बजट, वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण
- अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
- अर्थव्यवस्था के संकेत सूचक : औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक, इंफ्रास्ट्रकचर, मुद्रास्फीति, आयात-निर्यात, एक्सटर्नल
- सेक्टर : भुगतान संतुलन (बेलेंस ऑफ पेमेंट), चालू खाता, पूँजी खाता
- नीति आयोग : अर्थनीति निर्माण में भूमिका और प्रभाव
- बैंकिंग : सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंक, पीएलआर, बैंक रेट, रेपो, रिवर्स रेपो, सीआरआर, एसएलआर
- शेयर बाजार : सेंसेक्स,निफ्टी, मार्केट कैपिटल, 52 वीक हाई/लो
- नियामक : सेबी की कार्यप्रणाली, ईपीआई इंडेक्स : सीआईआई, फिक्की जैसे संस्थानों की कार्यप्रणाली
- आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग की तैयारी : आर्थिक परिघटनाओं, प्रणालियों, अर्थव्यवस्था और बिजनेस की बुनियादी समझ
- उपभोक्ता और निवेशक : कहाँ खर्चें, कहाँ बचाएं और कहाँ निवेश करें?
- आर्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग और लेखन की भाषा, शैली और पारिभाषिक शब्दावली

खंड- 5 **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

स्वास्थ्य रिपोर्टिंग

- जन स्वास्थ्य : जन स्वास्थ्य की परिभाषा, क्षेत्र, स्वस्थ जीवन का अर्थ, उसके प्रमुख पहलू, उसका सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक महत्त्व, प्रमुख चिकित्सा पद्धतियाँ
- जन स्वास्थ्य और उससे जुड़े प्रमुख घटक : भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था; केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की भूमिका; स्वास्थ्य और आरोग्य ढांचा; स्वास्थ्य बजट और उसके प्रमुख प्रावधान; सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भूमिका
- जन स्वास्थ्य : प्रमुख बीमारियाँ और उनके प्रकार, जीवन शैली संबंधित बीमारियाँ, महामारियां और उनका इतिहास : निपटने की चुनौतियाँ, इलाज और टीके और सामाजिक नार्म
- जन स्वास्थ्य क्षेत्र में शोध : प्रमुख संस्थाएं, शोध जर्नल, शोध रिपोर्ट पढने और समझने का तरीका
- जन स्वास्थ्य रिपोर्टिंग : साक्ष्य आधारित रिपोर्टिंग, उसके स्रोत, पुष्टि और जांच-पड़ताल, नैतिक पहलू
- जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे
- रिपोर्टिंग और मानसिक स्वास्थ्य : ट्रॉमा (मानसिक आघात) से बचाव

खंड- 6 **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

खेल रिपोर्टिंग

- खेलों का उद्भव, इतिहास, विकास और आधुनिक युग में खेल : खेलों का अर्थशास्त्र और कारोबार, समाजशास्त्र और खेलों की राजनीति
- प्रमुख खेल प्रतियोगिताएं, संस्थाएं और उनका रेगुलेशन
- प्रमुख खेलों के नियम : एथलेटिक्स, फुटबाल, क्रिकेट, हाकी
- खेलों की रिपोर्टिंग : रिपोर्टिंग की तैयारी, स्रोत, मैच विवरण, मैच का विश्लेषण, आंकड़ों की भूमिका
- खेल रिपोर्टिंग की भाषा, शैली और शब्दावली

खंड- 7 **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

फिल्म और मनोरंजन रिपोर्टिंग

- वैश्विक सिनेमा का इतिहास, विकास प्रक्रिया और उसके प्रमुख युग और उनकी विशेषताएं
- भारतीय सिनेमा : हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं का सिनेमा, उनका इतिहास और विकास प्रक्रिया, विशेषताएं, आपसी संबंध, कारोबार आदि
- हिंदी सिनेमा : इतिहास, विकास प्रक्रिया, प्रमुख दौर और उनकी विशेषताएं, हिंदी सिनेमा उद्योग और कारोबार, स्टार सिस्टम, प्रमुख स्टूडियोज, फिल्म निर्माण प्रक्रिया, प्रमुख नायक-नायिकाएं, निर्देशक, प्रोड्यूसर, संगीतकार, गीतकार, स्क्रिप्ट और संवाद लेखक और सिनेमैटोग्राफर, सिनेमा पर सामाजिक-सांस्कृतिक आक्षेप
- हिंदी मनोरंजन टीवी : मनोरंजन टीवी का उद्भव, विस्तार और प्रसार, प्रमुख चैनल, उनकी प्रोग्रामिंग और उसके प्रकार (जानर), प्रमुख स्टूडियोज, कलाकार और लेखक
- फिल्मों के लिए रिपोर्टिंग : उसके प्रमुख क्षेत्र, उसकी तैयारी, स्रोत, साक्षात्कार और लेखन : फिल्म समीक्षा की बारीकियां और शैली
- मनोरंजन रिपोर्टिंग और लेखन : टीवी कार्यक्रमों, खानपान, शापिंग, त्यौहारों और फिटनेस आदि की रिपोर्टिंग

खंड- 8 **P-30 घंटे (50 अंक)**

प्रायोगिक कार्य

- विद्यार्थी समाचार लेखन का अधिक से अधिक व्यावहारिक अभ्यास करेंगे। इसके लिए उन्हें समय-समय पर समाचार स्टोरी/रिपोर्ट लिखने के लिए अभ्यास दिए जाएंगे। संकाय सदस्य उन्हें सभी क्षेत्रों के बारे में समाचार, समाचार विश्लेषण, साक्षात्कार, समाचार फीचर, इनडेप्थ रिपोर्ट लिखने के अभ्यास कार्य देंगे। विद्यार्थियों को कक्षा में दिए गए अभ्यासों की फाइल तैयार करनी होगी। इसके अंतर्गत न्यूनतम 15 से 20 सत्रीय कार्य की फाइल जमा करनी होगी। सत्रांत में इनका मूल्यांकन किया जाएगा। **20 अंक**

- समाचार पत्र / पत्रिका के लिए राजनीति, क्राइम, आपदा, रक्षा, धर्म-संस्कृति, आर्थिक स्वास्थ्य एवं खेल आदि से संबंधित विस्तृत समाचार रिपोर्ट जमा करनी होगी। **10 अंक**
- किसी देखी हुई फिल्म की समीक्षा लिखनी है। **5 अंक**
- किसी तत्कालीन घटना पर ग्राउन्ड रिपोर्ट लिखनी है। **7.5 अंक**
- विशेषज्ञ द्वारा दिए गए राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, अंतरराष्ट्रीय घटना पर स्तम्भ अथवा संपादकीय लिखना है। **7.5 अंक**

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- अर्नाल्ड, डेविड (2004). औपनिवेशक भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आयुर्विज्ञान (शैलेन्द्र, अनु.). नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- जोगलेकर, काशीनाथ (1997). समाचार और संवाददाता. वाराणसी : वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन.
- त्रिखा, नंदकिशोर (1974). समाचार संकलन और लेखन. लखनऊ : हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश.
- दुबे, साकेत (2018). धर्मवीर भारती की पत्रकारिता के सिद्धांत. भोपाल : माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय.
- धूलिया, सुभाष, एवं प्रधान, आनंद (2004). समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया. नई दिल्ली : भारतीय जन संचार संस्थान.
- भगत, अरुण कुमार (2019). पत्रकारिता : सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रक्रिया. नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास.
- विजय, अनंत (2023). ओवर द टॉप : ओटीटी का मायाजाल. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- हर्षदेव. (2005). क्राइम रिपोर्टर. नई दिल्ली : भारतीय जन संचार संस्थान.
- Dahiya, Surabhi, & Sahu, Shambhu (2021). Beat reporting and editing : Journalism in the digital age. New Delhi : Sage Publications.
- Dahiya, Surabhi, & Sahu, Shambhu (2024). Mastering beats in journalism : Specialized reporting, editing and emerging technologies in the digital era. Noida : Pearson Education.
- Frost, Chris (2001). Reporting for journalists. London : Routledge.
- Harrington, Walt (1997). Intimate journalism : The art and craft of reporting everyday life. New Delhi : Sage Publications.
- Hicks, Wynford (1999). Writing for journalists. London : Routledge.
- Hough, George (2004). News writing. New Delhi : Kanishka Publishers.
- Kumar, Pramod (2020). The future newsroom. New Delhi : Kitabwale.
- Parthasarathy, Rangaswami (1994). Here is the news : Reporting for the media. New Delhi : Sterling Publishers.
- Randall, David (2000). The war correspondent. London : Pluto Press.
- Rich, Carole (2010). Writing and reporting news : A coaching method (6th ed.). Boston, MA : Wadsworth Cengage Learning.
- Routledge (2010). The Routledge companion to news journalism. New York, NY : Routledge.
- Sharma, Diwakar (2005). Modern journalism : Reporting and writing. New Delhi : Deep & Deep Publications.
- Spark, David, & Harris, Geoffrey (2011). Practical newspaper reporting (4th ed.). New Delhi : Sage Publications.
- Stein, Meyer Leon, Paterno, Susan F., & Burnett, R. Christopher (2006). News writer's handbook (2nd ed.). Malden, MA : Blackwell Publishing.
- Trikha, Nand Kishore (2012). Reporting. Bhopal : Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication.
- Yadav, Shyamlal (2017). Journalism through RTI : Information, investigation, impact. New Delhi : Sage Publications.

*****

चतुर्थ पत्र PGDHJ 004	डिजिटल पत्रकारिता एवं एआई टूल्स

L : 2 + P : 2 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 2 क्रेडिट (30 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 2 क्रेडिट (60 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 30 + P : 60 + T : 5 = कुल 95 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 40** **प्रायोगिक अंक : 60** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- शिक्षार्थियों को डिजिटल और वेब प्लेटफॉर्मों के लिए मल्टीमीडिया सामग्री (कंटेंट) लिखने, डिजाइन करने और उसका प्रबंध करने में दक्ष बनाना।
- पत्रकारिता और सामग्री निर्माण के क्षेत्र में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) टूल्स के व्यावहारिक अनुप्रयोगों का ज्ञान देना।
- एक्सटेंडेड रियलिटी, गेमिंग, मोबाइल पत्रकारिता (मोजो), फैक्ट-चेकिंग और डेटा विजुअलाइजेशन की आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी न्यू मीडिया उद्योग के अनुरूप डिजिटल कंटेंट निर्माण की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- वे मोबाइल पत्रकारिता (मोजो), पॉडकास्टिंग, डेटा विजुअलाइजेशन और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो जाएंगे।
- एआई (AI) के नैतिक उपयोग और फैक्ट-चेकिंग टूल्स के जरिए फेक न्यूज को रोककर समाज में एक सभ्य नागरिक बनेंगे।
- छात्र एक्सटेंडेड रियलिटी (XR), इमर्सिव जर्नलिज्म और गेमिंग की आधुनिक तकनीकों को समझ सकेंगे।
- वे सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) तकनीकों को अपनाकर स्वतंत्र रूप से ब्लॉग, मोजो स्टोरीज और वेब पेज तैयार करने में सक्षम होंगे।

खंड-1 : **(L-5 घंटे)**

डिजिटल पत्रकारिता एवं सामग्री निर्माण के मूल तत्व

- डिजिटल सामग्री (कंटेन्ट) का परिचय : माध्यम के रूप में इंटरनेट की अवधारणा और विकास, न्यू मीडिया उद्योग का वर्तमान परिदृश्य।
- डिजिटल के लिए लेखन : डिजिटल स्टोरी फॉरमेट, कंटेंट लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग और उसका प्रबंधन। हाइपर लिंक्स के साथ लेखन और वेब रिपोर्ट का खाका तैयार करना।
- कंटेंट प्रबंधन सिस्टम (CMS) : वेब पृष्ठों की प्लानिंग और डिज़ाइनिंग; अन्य प्रचलित सीएमएस का उपयोग।
- ओपन सोर्स संस्कृति : ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस का परिचय।

खंड-2 : **(L-5 घंटे)**

सामग्री निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : परिचय, पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया में एआई की भूमिका, अवसर और चुनौतियाँ।
- एआई टूल्स का प्रयोग : सामग्री निर्माण, डेटा प्रोसेसिंग और वॉयस-ओवर के लिए विभिन्न एआई टूल्स का व्यावहारिक उपयोग।
- प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग : एआई से सटीक और उपयोगी आउटपुट प्राप्त करने के लिए सही कमांड या प्रॉम्प्ट लिखने की कला।
- एआई और नैतिकता : असाइनमेंट और सामग्री तैयार करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का नैतिक-अनैतिक प्रयोग (जैसे- बिना संपादन कॉपी करना इत्यादि)।

खंड-3 : **(L-5 घंटे, T-2 घंटे)**

डेटा पत्रकारिता और विज़ुअलाइज़ेशन

- डेटा (आंकड़ा) पत्रकारिता की अवधारणा : डेटा पत्रकारिता का विषय-क्षेत्र, प्रासंगिकता और डेटा के प्रमुख स्रोत (ओपन डेटा-सेट)।
- डेटा विश्लेषण और विज़ुअलाइज़ेशन : कंप्यूटर असिस्टेड रिपोर्टिंग (CAR), डेटा को साफ-सुथरा करना और उसमें निहित ट्रेंड की व्याख्या।
- इन्फोग्राफिक्स और टूल्स : एआई से डेटा को विज़ुलाइज करना, इन्फोग्राफिक्स का निर्माण और डेटा स्टोरीज में मानवीय पहलू जोड़ना। पत्रकारों के लिए अन्य अंकीय साधन (डॉक्यूमेंट क्लाउड, टाइम लाइन्स आदि)।

खंड-4 : **(L-5 घंटे, T-2 घंटे)**

डिजिटल मीडिया, मोजो और वेरिफिकेशन टूल्स

- सोशल मीडिया प्रोफाइल प्रबंधन : फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (ट्विटर), लिंक्डइन और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्मों के लिए कंटेंट निर्माण और टूल्स।
- पॉडकास्टिंग की तैयारी, रिकॉर्डिंग, प्रसारण, लाइव स्ट्रीमिंग।
- मोबाइल पत्रकारिता : मोजो के लिए आवश्यक किट और सॉफ्टवेयर, स्मार्टफोन के जरिए फिल्मांकन (शॉट्स, एंगल, फ्रेम, लाइटिंग) और मोबाइल ऐप्स पर संपादन।
- फैक्ट-चेकिंग टूल्स : झूठी सूचनाओं की पहचान और जांच-पड़ताल के लिए उपलब्ध डिजिटल वेरिफिकेशन टूल्स।

खंड-5 : **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) की अवधारणा और अनुप्रयोग

- एक्सटेंडेड रियलिटी (XR) **:** अगमेंटेड रियलिटी (AR) का परिचय, परिभाषा, कार्यप्रणाली और वर्चुअल रियलिटी (VR) तथा मिक्सड रियलिटी (MR)।
- इमर्सिव जर्नलिज्म : पत्रकारिता और कहानी कहने (Storytelling) की विधा में AR का उपयोग; दर्शकों को समाचार के भीतर का अनुभव देना।
- AR टूल्स और सॉफ्टवेयर : डिजिटल सामग्री निर्माण के लिए बुनियादी AR प्लेटफॉर्म, फिल्टर क्रिएशन (इंस्टाग्राम/फेसबुक के लिए) और इंटरएक्टिव विज़ुअलाइज़ेशन टूल्स।
- केस स्टडीज : मीडिया द्वारा जटिल समाचारों (जैस- मौसम परिवर्तन, युद्ध क्षेत्र या वैज्ञानिक खोजों) को समझाने के लिए AR का उपयोग।

खंड-6 : **(L-5 घंटे)**

गेमिंग

- गेमिंग की अवधारणा : समाचार और वास्तविक घटनाओं पर आधारित गेम्स का निर्माण; सूचना प्रसार के एक नए माध्यम के रूप में गेमिंग, गेमिंग एप्स।
- खेल और मनोरंजन का डिजिटल कारोबार : वैश्विक और भारतीय गेमिंग उद्योग का ढांचा, आर्थिक पहलू और उभरते हुए ट्रेंड्स।
- गेमिंग कम्युनिटी और सोशल मीडिया : वर्चुअल गेमिंग समुदाय, क्राउड सोर्सिंग और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर गेमिंग सामग्री का प्रसारण।

खंड-7 : **P- 60 घंटे (60 अंक)**

व्यावहारिक / प्रायोगिक कार्य

- शिक्षार्थियों को आंतरिक/बाह्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में निम्नलिखित व्यावहारिक अभ्यास पूरे करने होंगे और फाइल/प्रोजेक्ट मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा :
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) अनुप्रयोग कार्यशाला : एआई टूल्स की मदद से किसी विषय पर टेक्स्ट, ग्राफिक्स या मल्टीमीडिया कंटेंट का निर्माण करना और एआई के नैतिक उपयोग की समझ प्रदर्शित करना।
- मोबाइल पत्रकारिता (मोजो) और पॉडकास्ट : स्मार्टफोन के माध्यम से फील्ड में जाकर मोजो स्टोरी (शूटिंग और संपादन सहित) तैयार करना या किसी विषय पर 3-5 मिनट का एक पॉडकास्ट एपिसोड तैयार कर उसे प्रसारित करना।

- वेब पेज डिज़ाइनिंग और ब्लॉग लेखन : व्यक्तिगत अथवा समूह अभ्यास के तहत एक वेब पेज/ई-जर्नल का विकास करना और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (SEO) तकनीकों को ध्यान में रखकर ब्लॉग/सामग्री लिखना और उसे अपने ब्लॉग पर प्रसारित करना।
- सोशल मीडिया एंगेजमेंट और फैक्ट-चेकिंग : सोशल मीडिया पेजों का रखरखाव, सामग्री अपडेट करना और ट्रैफिक बढ़ाना। इसके साथ ही, कम से कम 2 फेक न्यूज की डिजिटल टूल्स के जरिए छानबीन करके उसकी सच्चाई (फैक्ट चेक रिपोर्ट) प्रस्तुत करना।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- नारायण, सुनेत्र सेन, एवं नारायणन, शालिनी (सं.). (2018). इंडिया कनेक्टेड : न्यूज मीडिया के प्रभावों की समीक्षा. नई दिल्ली : सेज भाषा
- विजय, अनंत (2023). ओवर द टॉप : ओटीटी का मायाजाल. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- झा, प्रवीण कुमार (सं.). (2021). सोशल मीडिया : एक अभिव्यक्ति. गाज़ियाबाद : तरुण प्रकाशन.
- Bradshaw, P. (2015). The online journalism handbook : Skills to survive and thrive in the digital age. London : Routledge.
- Burum, I., & Quinn, S. (2015). MOJO : The mobile journalism handbook : How to make broadcast videos with an iPhone or iPad. New York, NY : Focal Press.
- Dahiya, S. (2023). Digital first : Entrepreneurial journalism in India. Oxford : Oxford University Press.
- Dahiya, S., & Trehan, K. (Ed.). (2024). Handbook of digital journalism : Perspectives from South Asia. Singapore : Springer.
- Dewdney, A., & Ride, P. (2006). The new media handbook. London : Routledge.
- Felix, L., & Stolarz, D. (2006). Video blogging & podcasting. Boston, MA : Focal Press.
- Fuchs, C. (2017). Social media : A critical introduction (2nd ed.). London : Sage Publications.
- Hall, J. (2001). Online journalism : A critical primer. London : Pluto Press.
- Marshall, P. D. (2004). New media cultures. London : Oxford University Press.
- Mirabito, M., & Morgenstern, B. L. (2004). New communication technologies : Applications, policy, and impact (5th ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Quinn, S. (2001). Digital sub-editing and design. Oxford : Focal Press.
- Schmidt, E., & Cohen, J. (2013). The new digital age : Reshaping the future of people, nations and business. New York, NY : Alfred A. Knopf.
- Stewart, P. (2017). The live-streaming handbook : How to create live video for social media on your phone and desktop. London : Routledge.
- Thornburg, R. M. (2011). Producing online news : Stronger stories. Washington, DC : CQ Press.
- Vellinga, W., & Staschen, B. (2018). Mobile storytelling : A journalist's guide to the smartphone galaxy (Kindle ed.). Hamburg : [Publisher unknown/Self-published].
- Ward, M. (2002). Journalism online. Oxford : Focal Press.
- Yadav, A. (2022). New media in journalism. New Delhi : Sterling Publishers.

वेबसाईट:

- http://www.mojo-manual.org/mobile-journalism-reading-resources/
- http://www.shoulderpod.com/mobile-journalism

*****

पंचम पत्र PGDHJ 005	संपादन : व्यावहारिक अभ्यास

L : 1 + P : 3 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 1 क्रेडिट (15 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 3 क्रेडिट (90 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 15 + P : 90 + T : 5 = कुल 110 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 40** **प्रायोगिक अंक : 60** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रशिक्षुओं को पत्रकारिता से संबंधित लेखन और समाचार प्रवाह के संपादन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं का गहन अभ्यास कराना।
- प्रशिक्षुओं को समाचार पत्र और पत्रिकाओं के विभिन्न फॉरमेट, ले-आउट, डिजाइन, टाइपोग्राफी तथा दृश्य प्रस्तुति की बारीकियों से परिचित कराना
- प्रशिक्षुओं को वास्तविक संपादन कक्ष (न्यूज़रूम) की चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु हिंदी टाइपिंग, अनुवाद, फोटो पत्रकारिता और लैब जर्नल निर्माण में दक्ष बनाना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु संपादकीय मूल्यों (सत्य, निष्पक्षता, संतुलन) को अपनाकर समाचारों के चयन और संपादन प्रक्रिया में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- वे पेज डिजाइनिंग सॉफ्टवेयर (इन-डिजाइन आदि), टाइपोग्राफी, अनुवाद, फोटो पत्रकारिता और हिंदी टाइपिंग के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो जाएंगे।
- समाचारों के पूर्वाग्रहों और दबावों से मुक्त होकर, गेटकीपर के रूप में देशहित में जिम्मेदार निर्णय लेने वाले एक सभ्य नागरिक बनेंगे।
- प्रशिक्षु विभिन्न मीडिया फॉरमेट के ले-आउट और डिजाइन के सिद्धांतों को गहराई से समझ सकेंगे।
- वे एकीकृत संपादन ूयूज़रूम की कार्यप्रणाली को समझते हुए सामूहिक रूप से 'लैब जर्नल' (प्रायोगिक समाचार पत्र) निकालने में सक्षम हो पाएंगे।

खंड–1 **(L-5 घंटे, T-2 घंटे)**

संपादन की अवधारणा

- संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, लक्ष्य और महत्व
- संपादन के औजार, संपादन प्रक्रिया, संपादन के विभिन्न चरण
- संपादकीय मूल्य : सत्य, तथ्यपरकता, वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, संतुलन, स्वतंत्रता आदि
- संपादक : भूमिका और महत्व, टीम नेतृत्वकर्ता, एक संस्था और बदलती भूमिका
- सम्पादकीय दृष्टि : सम्पादकीय मूल्यों का पालन, नए आइडिया की खोज, सम्पादकीय सृजनात्मकता और नवोन्मेष
- संपादन की चुनौतियाँ- टीम नेतृत्व, पूर्वाग्रह, झुकाव, दबाव : राजनीतिक, वित्तीय, धार्मिक, जातीय, आपराधिक, कानूनी
- पत्रकारिता के विभिन्न रूप : विकास, खोजी, सामुदायिक, नागरिक, वॉचडॉग, वैकल्पिक, एडवोकेसी, लाभ-निरपेक्ष और सहभागी पत्रकारिता आदि

खंड–2 **(L-5 घंटे, T-3 घंटे)**

संपादन कक्ष, समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था

- समाचार पत्र, पत्रिकाओं और संवाद समितियों का संपादकीय ढांचा
- संपादन कक्ष में पत्रकारों के विभिन्न पद और कार्य
- एकीकृत संपादन कक्ष

- समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था
- डेस्क पर समाचारों का प्रवाह : विभिन्न स्रोत (पारंपरिक और सोशल मीडिया)
- समाचार प्रवाह का प्रबंधन
- संपादन व्यवस्था : द्वारपालों की भूमिका और दायित्व

खंड–3 **(L-5 घंटे, P-5 घंटे)**

ले आउट और डिजाइन

- समाचार पत्र फ़ॉर्मेट और डिजाइन : ब्राडशीट, टैब्लायड, बर्लिनर और पत्रिका (मैगजीन)
- ले-आउट और डिज़ाइन के सिद्धांत
- टाइपोग्राफी, कलर और (मुद्रण कला) ग्राफिक्स (दृश्यांकन)
- समाचार पत्र पेज डिज़ाइनिंग और संपादन के सॉफ्टवेयर : पेजमेकर, क्वार्क एक्सप्रेस और इन डिजाइन
- समाचार पत्र के मुद्रण (छपाई) की प्रक्रिया
- समाचार पत्र और प्रिंटिंग तकनीक

खंड–4 **P- 85 घंटे (60 अंक)**

प्रायोगिक कार्य एवं कार्यशालाएं

- संपादन के अधिक अभ्यास के लिए नियमित कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। प्रशिक्षुओं को अंशकालिक संवाददाताओं, संवाद समितियों, कार्यालय संवाददाताओं और विशेष संवाददाताओं की रपटों और संपादकीय तथा विशेष लेखों के संपादन का अभ्यास कराया जाएगा।
- समाचार पत्र / पत्रिका का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा।

हिंदी टाइपिंग टेस्ट **10 अंक**

- हिंदी टाइपिंग (रेमिंग्टन) में दक्षता अनिवार्य है, इसके लिए सत्रांत में टाइपिंग टेस्ट होगी।

अनुवाद कार्यशाला **10 अंक**

- समय-समय पर अनुवाद की कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान अनुवाद के अभ्यास होंगे।

फोटो पत्रकारिता कार्यशाला **10 अंक**

- पत्रकारिता के लिए फोटो खींचने और उनका माध्यमों में प्रयोग करने संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी।

लैब जर्नल **30 अंक**

- लगभग आठ से दस छात्रों के प्रत्येक समूह को कम से कम 10 प्रायोगिक समाचार पत्र निकालने होंगे। यह प्रायोगिक पत्र, प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन का आधार होगा।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- जितेन्द्र गुप्त, प्रियदर्शन, एवं प्रकाश, अरुण (2009). पत्रकारिता में अनुवाद. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
- चतुर्वेदी, अनुपम (2014). हिन्दी व्याकरण. जयपुर : रीतू पब्लिकेशन.
- जोशी, रामशरण (2001). साक्षात्कार सिद्धांत और व्यवहार. नई दिल्ली : ग्रंथ शिल्पी.
- तिवारी, भोलानाथ (1984). भाषा और संस्कृति. दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- तिवारी, भोलानाथ (1984). पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ. नई दिल्ली : शब्दाकार प्रकाशन.
- तिवारी, भोलानाथ (1986). मानक हिन्दी का स्वरूप. दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- तिवारी, भोलानाथ (1987). अनुवाद विज्ञान. नई दिल्ली : शब्दाकार प्रकाशन.
- पंत, नवीन चंद्र (2004). संपादन कला. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन.
- प्रभाकर, मनोहर (1992). फीचर लेखनः स्वरुप और शिल्प. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
- बृजमोहन. (1979). मानक हिन्दी. नई दिल्ली : मैकमिलन प्रकाशन.

- सिन्हा, बाल मुकुंद (1995). शैली पुस्तिका. नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाउस.
- सिंह, आदर्श प्रकाश (2015). सही भाषा सरल सम्पादन. गाज़ियाबाद : के.एल. पचौरी प्रकाशन.
- Amidore, A. (2013). Real feature writing. New York, NY : Routledge.
- Baskette, F. K. (1997). The art of editing (6th ed.). Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Bowles, D. A. (2011). Creative editing (6th ed.). Boston, MA : Wadsworth Cengage Learning.
- Herbert, J. (2000). Journalism in the digital age. Boston, MA : Focal Press.
- Kamath, M. V. (1996). Professional journalism. New Delhi : Vikas Publishing House.
- Morrish, J. (2006). Magazine editing (2nd ed.). New York, NY : Routledge.
- Prasad, H. Y. S. (Ed.). (1993). Editors on editing. New Delhi : National Book Trust.
- Rogers, G. (1993). Editing for print. London : Macdonald Books.
- Sarkar, N. N. (1995). Art and production. New Delhi : Sagar Publications.

*****

सेमेस्टर II									
Course Code	Course Title	NEP Category	Credits		Marks			Tut. Hrs (Non Credit)	Total Credit (Hours)
			L.	P.	T	P	Total		
PGDHJ006	विकास पत्रकारिता	CC*	3	1	60	40	100	5	4(75)
PGDHJ007	जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया एवं प्रबंधन	CC*	3	1	60	40	100	5	4(75)
PGDHJ008	प्रसारण पत्रकारिता	CC*	3	1	50	50	100	5	4(75)
PGDHJ009	दृश्य-श्रव्य (ऑडिओ-विजुअल) सम्पादन	SEC **	0	3	40	60	100	8	4(90)
PGDHJ010	टेलीविजन शोध : कार्यक्रम निर्माण	AEC***	1	2	40	60	100	7	4(105)
	इंटर्नशिप रिपोर्ट		0	4					
		कुल	10	12	500			30	420
			22					450 Hours	

NEP Category : CC* - Core Course, SEC**- Skill Enhancement Course, AEC***- Ability Enhancement Course

Credit : *L.- व्याख्यान, *P.- व्यावहारिक अभ्यास, *Tut. - ट्यूटोरियल

Marks : *T- सैद्धांतिक अंक, *P- प्रायोगिक अंक

षष्ठम पत्र PGDHJ 006	विकास पत्रकारिता

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 5 = कुल 80 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 60** **प्रायोगिक अंक : 40** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय विकास के विशेष मुद्दों, योजनाओं में संचार और मीडिया की भूमिका से परिचित कराना।
- प्रशिक्षुओं को विकास के विभिन्न सिद्धांतों, वैश्विक दृष्टिकोणों और मानव विकास सूचकांकों की समझ प्रदान करना।
- उन्हें भारत के विकास पथ, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से परिचित कराना।
- विकास की भारतीय अवधारणा एवं परंपरागत ज्ञान-कौशल के महत्त्व को रेखांकित करना।
- प्रशिक्षुओं में विकास से संबंधित मुद्दों की रिपोर्टिंग के लिए शोध, फील्ड वर्क, साक्षात्कार और लेखन कौशल को विकसित करना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु मानव विकास, स्थायी विकास और हैप्पीनेस इंडेक्स जैसे वैश्विक सूचकांकों के विश्लेषण की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रशिक्षु विकसित भारत (2047), गरीबी उपशमन, शिक्षा और जन स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो जाएंगे।
- पर्यावरण और सामाजिक कल्याण के मुद्दों के प्रति जागरूक होकर समाज में एक सभ्य नागरिक की भूमिका निभाएंगे।
- प्रशिक्षु सर्वोदय, अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन जैसे पारंपरिक भारतीय आर्थिक चिंतन को समझ सकेंगे।
- वे विकास से संबंधित मुद्दों पर स्वतंत्र रूप से शोध कर 'पत्रिका' और 'डॉक्यूमेंट्री' का निर्माण करने में सक्षम हो सकेंगे।

खंड–1 **(L-15 घंटे, T-1 घंटा)**

विकास : सिद्धांत और व्यवहार

- विकास की भारतीय अवधारणा।
- विकास विमर्श : विविध आयाम, दृष्टिकोण : प्रभावी, निर्भरता एवं सहभागी सिद्धांत।
- विकास मानदंड/सूचकांक : स्थायी विकास, मानव विकास, लैंगिक संवेदनशीलता, कंफ्लिक्ट-फ्री, हैप्पीनेस इंडेक्स आदि।
- विकास संगठनों का संसार : संयुक्त राष्ट्र संघ, मिलेनियम लक्ष्य, डिजिटल डिवाइड, सामुदायिक और वैकल्पिक मीडिया।

खंड–2 **(L-15 घंटे, T-2 घंटे)**

भारत का विकास पथ और चुनौतियां

- विकसित भारत का संकल्प : 2047 तक भारत को विकसित बनाने की योजना का प्रारूप
- आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय, विकास, स्वतंत्रता और अवसर; सरकार, राज्य और बाजार, जन नीति और गरीब।
- पर्यावरण और विकास : विकास के दौर में पर्यावरण के मुद्दे; पर्यावरणीय शासन(गवर्नेंस); पर्यावरणीय राजनीति और मुद्दे; प्रकृत्ति का मोल; पर्यावरणीय अधिकार, शहरीकरण के मुद्दे।
- विकास (ग्रोथ), गरीबी और बेरोजगारी : भारत में आर्थिक वृद्धि (ग्रोथ); समकालीन भारत में गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे; गरीबी उपशमन और समानता, बाजार और आम वस्तुएं; संपत्ति का सृजन और वितरण।
- शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका से जुड़े मुद्दे, लैंगिक मुद्दे,
- भारत का सामाजिक विकास और सरकारी कार्यक्रम, दिव्यांग कल्याण की योजनाएं/नवीनतम प्रयास।
- भारत में कालखंड के अनुसार विकास कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन

- उदारीकरण, वैश्वीकरण और विकास के मुद्दे, विकास और लोकतंत्र के लिए शासन (गवर्नेंस)।
- विकास एवं परंपरागत भारतीय ज्ञान कौशल-अनुप्रयोग, भारतीय गौवंश/पशु संपदा का जैविक कृषि में सदुपयोग।
- प्राचीन भारतीय परंपरागत अर्थव्यवस्था के संदर्भ में महात्मा गांधी, सर्वोदय/अंत्योदय/एकात्म मानव दर्शन विचार सहित श्री धर्मपाल, एंगस मेडिसन आदि के अध्ययन।

खंड–3 **(L-15 घंटे, T-2 घंटे)**

विकास पत्रकारिता : विकास समाचारों की रिपोर्टिंग

- विकास से संबंधित स्टोरी के लिए स्रोत : सरकारी और गैर सरकारी स्रोत; फील्ड वर्क; शोध (रिसर्च); साक्षात्कार; समूह परिचर्चा और परम्परागत तथा गैर परम्परागत स्रोत।
- विविध विकास रिपोर्टिंग और लेखन के औजार तथा तकनीक।
- विभिन्न प्रकार की विकास स्टोरी : समाचार, फीचर और रिपोर्ट।
- आंकड़े, सांख्यिकी एवं प्रस्तुति

खंड–4 **P- 30 घंटे (40 अंक)**

प्रायोगिक कार्य

- विद्यार्थियों को अपने-अपने समूह में 'विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षात्मक रिपोर्ट' को शामिल करते हुए पत्रिका निकालकर मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना है। **20 अंक**
- विद्यार्थियों को अपने-अपने समूह में 'विभिन्न सरकारी योजनाओं की समीक्षात्मक रिपोर्ट' को शामिल करते हुए डॉक्यूमेंट्री तैयार कर मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना है। **20 अंक**

नोट- पत्रिका और डाक्यूमेंट्री के संबंध में संबंधित संकाय/विशेषज्ञ से संपर्क करके स्टोरी आइडिया/विषय/मुद्दे तय कर लें और इसे लिखित रूप में विभाग को भी सूचित कर दें। विद्यार्थियों से विकास से जुड़े मुद्दों पर आयोजित होने वाले सेमीनारों और कॉन्फ्रेंसों में सहभागी होने की उम्मीद भी की जाती है।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- इस्सर, देवेन्द्र (1995). जनमाध्यम, संप्रेषण और विकास. नई दिल्ली : इंद्रप्रस्थ प्रकाशन.
- गुप्ता, बजरंगलाल (2022). सुमंगलम् : विकास का नया प्रतिमान. नई दिल्ली : सुरुचि प्रकाशन.
- द्रेज़, ज्यां, एवं सेन, अमर्त्य (2018). भारत और उसके विरोधाभास. नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन.
- दुबे, श्यामाचरण (2001). विकास का समाज शास्त्र. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- तिवारी, अर्जुन (1999). कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता. वाराणसी : संजय बुक सेन्टर.
- पाण्डेय, शीलस्वरूप (2010). कृषकों में वैज्ञानिक कृषि-विचारों का सम्प्रेषण. नई दिल्ली : अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड.
- संयुक्त राष्ट्र. (2023). संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्ट. नई दिल्ली : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP).
- शर्मा, राधेश्याम (1990). विकास पत्रकारिता. चंडीगढ़ : हरियाणा साहित्य अकादमी (हिन्दी साहित्य अकादमी).
- Barsamian, D., & Chomsky, N. (2001). Propaganda and the public mind. Delhi : Madhyam Books.
- Court, T. de la (1991). Different worlds : Environment and development beyond the 90s. Utrecht : International Books.
- Dharampal. (2000a). Panchayati raj and India's polity. Mapusa, Goa : Other India Press.
- Dharampal. (2000b). The beautiful tree : Indigenous Indian education in the eighteenth century. Mapusa, Goa : Other India Press

- Downing, J., Mohammadi, A., & Sreberny-Mohammadi, A. (1990). Questioning the media : A critical introduction. London : Sage Publications.
- Dreze, J., & Sen, A. (1995). India : Economic development and social opportunity. Delhi : Oxford University Press.
- Dreze, J., & Sen, A. (2013). An uncertain glory : India and its contradictions. Princeton, NJ : Princeton University Press.
- Epp, C. (1998). The rights revolution : Lawyers, activists and supreme courts in comparative perspective. Chicago, IL : University of Chicago Press.
- Gonsalves, C., Naidoo, V., & Others (Eds.). (2008). Right to food (Vol. 1). Delhi : Human Rights Law Network.
- Grewal, D. S. (2008). Network power : The social dynamics of globalisation. New Haven, CT : Yale University Press.
- Hernandez, C. G., & Pfennig, Werner (Eds.). (1991). Media and politics in Asia : Trends, problems and prospects. Quezon City : University of the Philippines and Friedrich Naumann Foundation.
- Jayal, N. G., & Pai, S. (2001). Democratic governance in India : Challenges of poverty, development, and identity. Delhi : Sage Publications.
- Jeffrey, R., & Doron, A. (2013). Cellphone nation : How mobile phones have revolutionized business, politics and ordinary life in India. Gurgaon : Hachette India.
- Khan, A. M. (1997). Shaping policy : Do NGOs matter : Lessons from India. New Delhi : PRIA.
- Kripal, B. N., Desai, A. H., Subramanium, G., Dhavan, R., & Ramachandran, R. (Eds.). (2000). Supreme but not infallible : Essays in honour of the Supreme Court of India. Delhi : Oxford University Press.
- Kumar, C. R., & Chockalingam, K. (Eds.). (2007). Human rights, justice, & constitutional empowerment. Delhi : Oxford University Press.
- Lichtenberg, J. (1991). Democracy and the mass media. Cambridge : Cambridge University Press.
- Maddison, A. (2001). The world economy : A millennial perspective (Historical Statistics, Two-in-one ed.). New Delhi : Academic Foundation.
- Mahajan, G. (1998). Democracy, difference & social justice. Delhi : Oxford University Press.
- Narayan, D., Chambers, R., Shah, M. K., & Petesch, P. (Eds.). (2000). Voices of the poor : Crying out for change. New York, NY : Oxford University Press.
- Parameswaran, M. P. (2005). Empowering people : Insights from a local experiment in participatory planning. Delhi : Daanish Books.
- Sainath, P. (1996). Everybody loves a good drought : Stories from India's poorest districts. Delhi : Penguin Books.
- Sarai. (2001). Sarai reader 1 : The public domain. Delhi : CSDS.
- Sarai. (2004). Sarai reader 4 : Crisis/media. Delhi : CSDS.
- Sathe, S. P. (2002). Judicial activism in India : Transgressing borders and enforcing limits. Delhi : Oxford University Press.
- Seabrook, J. (1995). Notes from another India. London : Pluto Press.
- Sharma, M. (Ed.). (2003). Improving people's lives : Lessons in empowerment from Asia. Delhi : Sage Publications.
- Sharma, R. (Ed.). (2016). Media, the state and marginalisation : Tackling challenges. New Delhi : Academic Volume.

- Silverstone, R., & Hirsch, E. (Eds.). (1992). Consuming technologies : Media and information in domestic spaces. London : Routledge.
- South Commission. (1990). The challenge to the south : The report of the South Commission. Geneva : South Commission.
- Sridhar, V. (2012). The telecom revolution in India : Technology, regulation and policy. Delhi : Oxford University Press.
- Sundaram, R. (2010). Pirate modernity : Delhi's media urbanism. New Delhi : Routledge.
- Tankha, B. (Ed.). (1995). Communications and democracy. Penang : Southbound/Cendit.
- Thomas, P. N. (2012). Digital India : Understanding information, communication and social change. Delhi : Sage Publications.
- Traber, M. (1985). Alternative journalism, alternative media. Manila : Communication Resource.
- Traber, M. (Ed.). (1986). The myth of the information revolution : Social and ethical implications of communication technology. London : Sage Publications.
- UN Documents. (2010). Committee on economic, social and cultural rights reports (2000-2010). Geneva : United Nations.
- United Nations Development Programme. (2010). Human development reports (2000-2010). New York, NY : UNDP.

*****

सप्तम पत्र PGDHJ 007	जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया प्रबंधन

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 5 = कुल 80 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 60** **प्रायोगिक अंक : 40** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रशिक्षुओं को पत्रकारिता और मीडिया कारोबार प्रबंधन से परिचित कराना
- विज्ञापन और जन संपर्क की भूमिका, महत्व और पारस्परिक संबंधों से अवगत कराना
- प्रशिक्षुओं में उद्यमिता की प्रवृत्ति विकसित करना

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु मीडिया उद्योग के विभिन्न स्वामित्व स्वरूपों, संगठनात्मक संरचनाओं और नए कारोबारी मॉडलों की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
- वे कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, विज्ञापन कैंपेन की प्लानिंग, मीडिया प्लानिंग और पीआर टूल्स के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो सकेंगे।
- विज्ञापन व जनसंपर्क की नैतिक सीमाओं को समझकर वे व्यावसायिक क्षेत्र में एक ज़िम्मेदार और सभ्य नागरिक बन सकेंगे।
- प्रशिक्षु डिजिटल दौर में सोशल मीडिया मार्केटिंग, कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (CSR) और इवेंट मैनेजमेंट को समझ सकेंगे।
- वे किसी मीडिया संस्थान की स्थापना व विकास यात्रा पर रिपोर्ट तैयार करने और प्रभावी प्रेस विज्ञप्ति लिखने में सक्षम हो सकेंगे।

खंड–1 (अ) **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

जनसंपर्क

- जनसंपर्क : अवधारणा, परिभाषा, भूमिका और उद्देश्य
- मीडिया में समाचार के स्रोत के तौर पर जनसंपर्क
- जनसंपर्क प्रक्रिया और उसका सामाजिक एवं राजनीतिक संदर्भ
- जनसंपर्क के साधन और तरीके : मीडिया नेट, एडवर्टोरियल, विशेषांक, बिजनेस चैनल में स्टॉक बाज़ार का विश्लेषण; पेड एपीयरेंस, मीडिया संपर्क
- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में जनसंपर्क
- लक्षित समूह सेग्मन्टेशन
- भारतीय संदर्भ में सोशल मीडिया मार्केटिंग, सोशल मीडिया हैंडलिंग एवं डिजिटल दौर में जनसंपर्क की चुनौतियाँ

खंड–1 (ब) **(L-5 घंटे, T-1 घंटा)**

निगमीय (कॉरपोरेट) संचार

- कॉरपोरेट संचार : अवधारणा और प्रक्रिया
- समाचार पत्रों को ब्रांड की तरह तैयार करना (केस स्टडी के साथ)
- आपदा संचार और मीडिया रिपोर्टिंग
- निगमीय सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) – सॉफ्ट समाचारों के स्रोत के तौर पर
- निगमों के लिए लेखन : न्यूज़ लेटर, प्रेस विज्ञप्ति, आंतरिक पत्रिका

खंड–2 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

विज्ञापन

- विज्ञापन : अवधारणा, भूमिका, उद्देश्य और महत्व
- विज्ञापन के कार्य, प्रकार और विज्ञापन से जुड़े मुद्दे
- मीडिया और विज्ञापन पर वर्तमान विमर्श : समाचार की वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता पर प्रभाव
- विज्ञापन एजेंसी का ढाँचा : उसके विभिन्न विभाग और उनके कार्य
- सृजनात्मकता और कैंपेन प्लानिंग
- विज्ञापन का आार्थिक और सामाजिक प्रभाव
- मीडिया प्लानिंग और मीडिया क्रय की अवधारणा
- विज्ञापन में क़ानून और नैतिकता : ए.ए.ए. (AAA), ए.एस.सी.आई (ASCI) और विज्ञापनदाताओं के लिए दूरदर्शन की संहिता की भूमिका
- ब्रांड प्रबंधन : मूल तत्व
- विज्ञापन में कानूनी और नैतिकता के मुद्दे
- डिजिटल दौर में विज्ञापन एवं डिजिटल मार्केटिंग

खंड–3 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

मीडिया कारोबार और प्रबंधन

- भारतीय मीडिया उद्योग का ढांचा, आकार और विस्तार
- स्वामित्व के स्वरूप और उनमें बदलाव
- मीडिया कारोबार और प्रबंधन : कंपनी की संरचना, निदेशक मंडल, प्रबंधन का ढांचा, विभिन्न विभाग, दायित्व और समन्वय
- मीडिया संस्थाओं का प्रबंधन व्यवस्था : वित्त/लेखा, मानव संसाधन, मार्केटिंग आदि
- मीडिया संस्थाओं का अर्थतंत्र एवं विपणन– वितरण, विज्ञापन और समाचारपत्रों तथा समाचार चैनलों के विपणन के बदलते आयाम
- समाचार पत्र प्रबंधन : मानव संसाधन, मार्केटिंग, प्रबंधन और संपादकीय विभाग के बीच समन्वय
- इवेंट मैनेजमेंट : अवधारणा, प्रक्रिया एवं महत्व

खंड-4 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

उद्यमिता पत्रकारिता

- उद्यमिता पत्रकारिता : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व और वैश्विक परिप्रेक्ष्य
- उद्यमिता पत्रकारिता : वित्त और प्रबंधन व्यवस्था के प्रमुख सिद्धांत
- पत्रकारिता के नए कारोबारी मॉडल : बदलते दौर में अवसर और चुनौतियाँ
- उद्यमिता का विकास और 'उद्यमिता इनक्यूबेटर' : कारोबार विकसित करने के तरीके, आइडिया और स्टार्ट-अप, फंड जुटाना, प्रबंधन और विस्तार
- संचार और मीडिया तकनीक की भूमिका और तकनीक के क्षेत्र में नए ट्रेंड
- उद्यमिता पत्रकारिता : भारतीय सन्दर्भ में केस स्टडीज और उदाहरण

खंड-5 **P- 30 घंटे (40 अंक)**

असाइनमेंट/ प्रायोगिक कार्य

- आंतरिक/बाह्य शिक्षक/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन/निर्देश पर किसी मीडिया संस्थान की स्थापना, विकास और वर्तमान स्थिति तक के सफर पर विस्तार से एक रिपोर्ट/पावर प्वाइंट विभाग में प्रस्तुत करना होगा।
- दिये गये विषय पर एक प्रेस विज्ञप्ति लिखकर विभाग में प्रस्तुत करना होगा।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- कोठारी, गुलाब (1997). भारत में समाचार पत्र प्रबंधन. जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी.
- खांडेकर, वनिता कोहली (2017). भारतीय मीडिया व्यवसाय. नई दिल्ली : सेज भाषा (सेज पब्लिकेशन्स इंडिया).
- जेठवानी, जयश्री (2000). विज्ञापन और जनसंपर्क. नई दिल्ली : सागर पब्लिकेशन्स.
- सौरभ, प्रदीप (2014). भारत में विज्ञापन. नई दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया.
- Argenti, P. A., & Forman, J. (2002). The power of corporate communication. New York, NY : McGraw-Hill.
- Batra, R., Myers, J. G., & Aaker, D. A. (1996). Advertising management (5th ed.). Upper Saddle River, NJ : Prentice Hall.
- Briggs, M. (2011). Entrepreneurial journalism : How to build what is next for news. Thousand Oaks, CA : CQ Press/Sage Publications.
- Cagé, J. (2016). Saving the media : Capitalism, crowdfunding, and democracy. Cambridge, MA : Harvard University Press.
- Clow, K. E., & Baack, D. (2002). Integrated advertising, promotion, and marketing communications. Upper Saddle River, NJ : Prentice Hall.
- Cornelissen, J. (2009). Corporate communication : A guide to theory and practice (2nd ed.). New Delhi : Sage Publications.
- Cutlip, S. M., Center, A. H., & Broom, G. M. (1994). Effective public relations (7th ed.). Englewood Cliffs, NJ : Prentice Hall.
- Dahiya, S. (2018). Connecting threads : A compendium of Indian media educators. New Delhi : Exchange-4media India.
- Dahiya, S. (2021). The house that Zee built. New Delhi : Rupa Publications India.
- Dahiya, S. (2022). Indian media giants : Unveiling business dynamics of print legacies in India. New Delhi : Oxford University Press.
- Fisher, D. (1999). Communication in organisations. Mumbai : Jaico Publishing House.
- Jethwaney, J. (1994). Public relations concepts, strategies and tools. New Delhi : Sterling Publishers.
- Jethwaney, J. (1999). Advertising. New Delhi : Phoenix Publishing House.
- Jethwaney, J. (2010). Corporate communication : Principle and practice. New Delhi : Oxford University Press.
- Jethwaney, J., & Jain, S. (2006). Advertising management. New Delhi : Oxford University Press.
- Marsden, P. (2017). Entrepreneurial journalism : How to go it alone and launch your dream project. London : Routledge.
- Mazzarella, W. (2003). Shoveling smoke : Advertising and globalisation in contemporary India. Durham, NC : Duke University Press.
- Rafter, K. (Ed.). (2018). Entrepreneurial journalism. London : Routledge.
- van Riel, C. B. M., & Fombrun, C. J. (2011). Essentials of corporate communication : Implementing practices for effective reputation management (Indian ed.). London : Routledge

*****

अष्टम पत्र PGDHJ 008	प्रसारण पत्रकारिता

L : 3 + P : 1 = कुल 4 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 3 क्रेडिट (45 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 1 क्रेडिट (30 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 5 घंटे (Non-Credit)** **L : 45 + P : 30 + T : 5 = कुल 80 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 50** **प्रायोगिक अंक : 50** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रशिक्षुओं को फोटो पत्रकारिता एवं दृश्य संचार से परिचित कराया जाएगा।
- प्रशिक्षुओं को टेलीविज़न पत्रकारिता में रिपोर्टिंग, संपादन और प्रस्तुतिकरण से परिचित कराया जाएगा।
- प्रशिक्षुओं को रेडियो पत्रकारिता में रिपोर्टिंग, संपादन और प्रस्तुतिकरण से परिचित कराया जाएगा।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी रेडियो और टेलीविजन समाचार कक्षों (न्यूज़रूम) की कार्यप्रणाली, इनपुट-आउटपुट की समझ और बुलेटिन प्रोडक्शन की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
- प्रशिक्षु वॉयस ओवर, एंकरिंग, पीस टू कैमरा, रेडियो पॉडकास्ट और कॉपी एडिटिंग के व्यावहारिक कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
- दृश्यों और ध्वनि के संयोजन तथा प्रसारण पत्रकारिता के नैतिक मानकों को अपनाकर समाज में एक सभ्य नागरिक की भूमिका निभा सकेंगे।
- प्रशिक्षु फोटो पत्रकारिता के सिद्धांतों, डिजिटल तकनीकों और एफएम/सामुदायिक रेडियो के संचालन की समझ प्राप्त कर सकेंगे।
- वे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के नियमों के अनुरूप सामूहिक टीम भावना के साथ रेडियो और टीवी समाचार बुलेटिन का निर्माण व पैकेजिंग करने में सक्षम हो सकेंगे।

खंड-1 **(L-10 घंटे, T-2 घंटे)**

दृश्य संचार और फोटो पत्रकारिता

- दृश्य संचारः अवधारणा व प्रक्रियाएँ
- दृश्य संचार के सिद्धांत
- दृश्य साक्षरता, दृश्य की समझ, मत निर्माण में दृश्यों की भूमिका
- विभिन्न माध्यमों में दृश्यों का उपयोग
- दृश्य-विरूपण/अर्थांतरण
- दृश्यों की नैतिकता
- फोटो पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- फोटोग्राफी : फोटो की समझ, व्याकरण, तकनीक, प्रक्रिया
- समाचारों और घटनाओं का तस्वीरों के ज़रिए कवरेज
- फोटो फीचर और कैप्शन लिखने की तरीके

खंड–2 (अ) **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

टेलीविजन प्रसारण एवं समाचार

- टीवी प्रसारण के सिद्धांत , विशेषताएँ एवं इतिहास (साइट परियोजना इत्यादि)
- चैनल वितरण (डिस्ट्रब्यूशन) : एमएसओ, सीएएस, एचआईटीएस, डीटीएच, आईपीटीवी, ओटीटी आदि

- मोबाइल पर टीवी : 4 जी और 5 जी के बाद उभरता परिदृश्य
- भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री की वर्तमान प्रवृत्तियाँ : सार्वजनिक टेलीविजन प्रसारण सेवा, व्यवसायिक प्रसारण

खंड–2 (ब) टेलीविजन न्यूज चैनल का सांगठनिक ढांचा :

टेलीविजन समाचार कक्ष/टीवी समाचार लेखन/टेलीविजन समाचार प्रोडक्शन और कार्य **(L-15 घंटे, T-1 घंटा)**

- इनपुट/आउटपुट/असाइनमेंट/ग्राफिक्स/विडियो एडिटिंग/एनिमेशन आदि
- टीवी समाचार : संकल्पना, वीडियो के लिए लेखन
- टीवी रिपोर्टिंग : पीस टू कैमरा, वॉयस ओवर और संपादन
- समाचार वाचन और प्रस्तुति (एंकरिंग)/प्रस्तोता (एंकर) लिंक/टेली प्रॉम्पटर
- ब्रेकिंग न्यूज/विशेष समाचार, लाइव, फोन इन, टिकर
- दृश्य संयोजन, रचना और संपादन (पीसीआर गतिविधि), ओबी
- टीवी समाचार : तकनीक और प्रोडक्शन/पैकेज/डिबेट शो की तैयारी आदि
- एकीकृत समाचार कक्ष, टेलीविजन कार्यक्रम, योजना, प्रस्तुति और प्रोडक्शन
- वीडियो कैमरा : विशेषताएँ, प्रकार और संचालन
- एकल, द्वि और बहु कैमरा प्रोडक्शन
- टीवी : प्रकाश और ध्वनि संयोजन/स्टूडियो संरचना/सेट आदि
- ई.एन.जी और फील्ड प्रोडक्शन

खंड– 3 **(L-10 घंटे, T-1 घंटा)**

रेडियो प्रसारण एवं समाचार

- रेडियो प्रसारण के सिद्धांत, विशेषताएँ
- भारत में प्रसारण का उदभव और विकास : सार्वजनिक प्रसारण सेवा/एफएम प्रसारण
- सामुदायिक रेडियो : भूमिका और कार्यप्रणाली, प्रबंधन
- रेडियो समाचार लेखन : संरचना, इंट्रो, बॉडी, एजेंसी कॉपी का संपादन
- रेडियो समाचार कक्ष का ढांचा और कार्यप्रणाली
- वॉयस डिस्पेच, साउंड बाइट्स, वॉक्सपॉपुली
- रेडियो के लिए इंटरव्यू, फोन इन
- रेडियो समाचार का संपादन
- साउंड मिश्रण
- रेडियो समाचारः भाषा, प्रस्तुति और संयोजन
- समाचार वाचन, एंकरिंग, चर्चा, वार्ता, लाइव चर्चा
- विशेष रेडियो कार्यक्रम
- रेडियो पर मनोरंजन के कार्यक्रम : आइडिया, योजना, स्क्रिप्टिंग, एंकरिंग और प्रस्तुति
- स्टूडियो रिकार्डिंग/ओबी रिकार्डिंग
- ध्वनि : सिद्धांत और संयोजन
- माइक्रोफोन, स्टूडियो संरचना, रिकार्डिंग उपकरण, डिजिटल रिकार्डिंग और संपादन
- एफएम रेडियो स्टेशन प्रबंधन

खंड– 4 **P- 30 घंटे (50 अंक)**

व्यावहारिक अभ्यास / प्रायोगिक कार्य

रेडियो कार्यक्रम

- घटना-कार्यक्रम की रिपोर्टिंग और साउंड बाइट्स की रिकॉर्डिंग।
- समाचार रिपोर्ट लेखन और संपादन।
- वॉयस कास्ट की रिकॉर्डिंग/पॉडकॉस्ट
- समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

टेलीविजन समाचार

- लेखन, प्रस्तुतीकरण और पी.टी.सी. की रिकॉर्डिंग।
- कॉपी संपादन और न्यूज रिपोर्ट का वीडियो संपादन।
- वॉयस ओवर और रिकॉर्डिंग।
- पैकेजिंग, समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- कठेरिया, धरवेश (2007). टेलीविजन पत्रकारिता. दिल्ली : शिल्पायन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स.
- चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2012). जनमाध्यम, प्रौद्योगिकी और विचारधारा. दिल्ली : अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.
- झा, प्रवीण कुमार (2021). टेलीविजन चैनल और सत्यकथाकरण. गाज़ियाबाद : तरुण प्रकाशन.
- दिलवाली, अशोक (2009). फोटोग्राफी : सम्पूर्ण जानकारी (श. सिंह, अनु.). नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास.
- पचौरी, सुधीश (1994). दूरदर्शन : दशा और दिशा. नई दिल्ली : प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार.
- पचौरी, सुधीश (2000). साइबर स्पेस और मीडिया. नई दिल्ली : प्रवीण प्रकाशन.
- प्रधान, आनंद (2013). न्यूज चैनलों का जनतंत्र. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- मसानी, मेहरा (1977). प्रसारण और समाज. नई दिल्ली : नेशनल बुक ट्रस्ट.
- विलियम्स, रेमंड (2010). टेलीविजनः प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप. नई दिल्ली : ग्रंथशिल्पी.
- विद्रोही, विजय (2014). नब्बे सेकंड की टीवी पत्रकारिता. नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, इंडिया.
- वर्णवाल, हरीश चंद्र (2010). टेलीविजन की भाषा. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
- सिंह, देवव्रत (2007). भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- Bittner, J. R. (1991). Broadcasting and telecommunication : An introduction. Englewood Cliffs, NJ : Prentice Hall.
- Boyd, A. (1999). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news (4th ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Boyd, A. (2001). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news. New Delhi : Oxford University Press.
- Evans, E. (1977). Radio : A guide to broadcasting techniques. London : Barrie and Jenkins.
- Fleming, C. (2002). The radio handbook. London : Routledge.
- Harris, C. R., & Lester, P. M. (2002). Visual communication : A guide for new media professionals. Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Hausman, C., Messere, F., Benoit, P., & O'Donnell, L. B. (2010). Modern radio production : Production, programming, and performance (8th ed.). Boston, MA : Wadsworth Cengage Learning.
- Hendy, D. (2000). Radio in a global age. Cambridge : Polity Press.
- Johnson, K. (2000). Television and social change in rural India. New Delhi : Sage Publications.

- Luthra, H. R. (1986). Indian broadcasting. New Delhi : Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.
- Masani, M. (1985). Broadcasting and the people. New Delhi : National Book Trust.
- Mehta, N. (2008). Television in India : Satellites, politics and cultural change. New York, NY : Routledge.
- Musburger, R. B. (2000). An introduction to writing for electronic media : Scriptwriting essentials across the genres. Boston, MA : Focal Press.
- Papper, R. A. (1995). Broadcast news writing stylebook. Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Saksena, G. (1996). Television in India : Changes and challenges. New Delhi : Vikas Publishing House.
- Srivastava, K. M. (2005). Broadcast journalism in the 21st century. New Delhi : Sterling Publishers.
- Thompson, R., & Malone, C. (2004). The broadcast journalism handbook : A television news survival guide. Lanham, MD : Rowman & Littlefield Publishers.
- White, T. (1996). Broadcast news writing, reporting, and producing (2nd ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Yorke, I. (1995). Television news (3rd ed.). Oxford : Focal Press.

*****

नवम पत्र PGDHJ 009	दृश्य-श्रव्य (ऑडिओ-विजुअल) सम्पादन

L : 0 + P : 3 = कुल 3 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 0 क्रेडिट** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 3 क्रेडिट (90 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 8 घंटे (Non-Credit)** **L : 0 + P : 90 + T : 8 = कुल 98 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 40** **प्रायोगिक अंक : 60** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- प्रशिक्षुओं को दृश्य संचार की बुनियादी अवधारणाओं, शॉट्स, एंगल्स और संपादन के व्याकरण से परिचित कराना।
- प्रशिक्षुओं को डिजिटल नॉन-लीनियर संपादन सॉफ्टवेयरों, वीडियो एडिटिंग टूल्स और पोस्ट-प्रोडक्शन तकनीकों में दक्ष बनाना।
- वीडियो के साथ वॉयस ओवर, साउंड बाइट्स और बैकग्राउंड म्यूजिक का प्रभावी तालमेल एवं साउंड मिश्रण सिखाना।
- प्रशिक्षार्थियों को टेलीविजन समाचार कक्ष के अनुरूप संपूर्ण न्यूज पैकेज, मोंटाज और बुलेटिन तैयार करने के योग्य बनाना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु डिजिटल नॉन-लीनियर संपादन के नियमों और विभिन्न प्रकार के शॉट्स व कट्स के संयोजन की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- वे एडोब प्रीमियर प्रो जैसे वीडियो एडिटिंग सॉफ्टवेयरों, क्रोमा-की और साउंड मिक्सिंग के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो सकेंगे।
- वीडियो संपादन के नैतिक मानकों और नियमों का पालन करते हुए मीडिया जगत और समाज में एक सभ्य नागरिक की भूमिका निभा सकेंगे।
- प्रशिक्षु टेलीविजन समाचार कक्ष के अनुरूप रॉ फुटेज के प्रबंधन, टिकर और मल्टी-कैमरा संपादन इत्यादि को गहराई से समझ सकेंगे।
- वे व्यावसायिक स्तर के न्यूज पैकेज, शॉर्ट फिल्म, वीडियो फीचर और प्रोमो/मोंटाज को संपादित व एक्सपोर्ट करने में सक्षम हो सकेंगे।

खंड–1 : **(P- 16 घंटे, T-2 घंटे)**

दृश्य-श्रव्य संपादन की अवधारणा और सिद्धांत

- **दृश्य संपादन के सिद्धांत :** दृश्य संचार की अवधारणा, निरंतरता (Continuity) के नियम।
- **शॉट्स और कट्स :** विभिन्न प्रकार के कट्स (स्ट्रेट कट, जम्प कट, मैच कट, एल-कट, जे-कट), शॉट्स और एंगल्स का संपादन में महत्व।
- **दृश्य-विरूपण और नैतिकता** : दृश्यों की काट-छांट में बरती जाने वाली सावधानियां और संपादन के नैतिक मानक।
- **लीनियर बनाम नॉन-लीनियर संपादन** : दोनों तकनीकों का अंतर, डिजिटल संपादन (Non-Linear Editing)।

खंड–2 : **(P- 16 घंटे, T-2 घंटे)**

वीडियो संपादन सॉफ्टवेयर और तकनीकी कौशल

- **सॉफ्टवेयर इंटरफेस की समझ** : टाइमलाइन, सोर्स मॉनिटर, प्रोग्राम मॉनिटर, टूलबॉक्स और प्रोजेक्ट बिन का परिचय (एफसीपी और प्रीमियर प्रो के संदर्भ में)।
- **कंटेंट का संकलन और प्रबंधन :** कैमरा फुटेज को कंप्यूटर में कैप्चर/इंपोर्ट करना, रॉ फुटेज का वर्गीकरण, असेंबल कट और रफ कट तैयार करना।
- **ट्रांजिशन और इफेक्ट्स का प्रयोग** : वीडियो ट्रांजिशन (फेड, डिजॉल्व, वाइप) का रचनात्मक उपयोग और गति नियंत्रण (स्लो मोशन/फास्ट मोशन)।
- **क्रोमा की और सूपर-इम्पोजिशन** : ग्रीन स्क्रीन फुटेज को संपादित करना और दृश्यों का संयोजन।

खंड–3 : **(P- 16 घंटे, T-2 घंटे)**

ध्वनि (ऑडियो) संपादन और मिक्सिंग

- **ध्वनि के सिद्धांत** : दृश्य संपादन में साउंड का महत्व, ऑडियो ट्रैक का प्रबंधन, नेचुरल साउंड (Nat-Sound) का उपयोग।
- **वॉयस ओवर और साउंड बाइट्स** : संवाद, साक्षात्कार, साउंड बाइट्स और वॉयस ओवर (VO) को वीडियो के साथ सिंक करना।
- **साउंड मिश्रण** : ऑडियो लेयरिंग, बैकग्राउंड म्यूजिक का स्तर नियंत्रित करना, ऑडियो फेड-इन और फेड-आउट तकनीक।
- **ध्वनि प्रभाव** : विशेष ध्वनि प्रभावों का उपयोग और ऑडियो नॉइज़ रिडक्शन।

खंड–4 : **(P- 16 घंटे, T-2 घंटे)**

टेलीविजन समाचार प्रोडक्शन और पैकेजिंग

- **न्यूज पैकेज का संपादन** : रिपोर्टर के पीस टू कैमरा (PTC), वॉयस ओवर और विजुअल्स को मिलाकर न्यूज पैकेज तैयार करना।
- **शीर्षक और ऑन-स्क्रीन ग्राफिक्स** : टिकर, ब्रेकिंग न्यूज प्लेट्स और मोंटाज का वीडियो में संयोजन।
- **मल्टी-कैमरा संपादन** : लाइव या रिकॉर्ड किए गए मल्टी-कैमरा प्रोडक्शन के फुटेज को संपादित करने की प्रक्रिया।
- **अंतिम आउटपुट (एक्सपोर्ट)** : विभिन्न प्रसारण माध्यमों (टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म) के लिए सही फॉरमेट और रेजोल्यूशन में वीडियो एक्सपोर्ट करना।

खंड–5 : **P- 26 घंटे (60 अंक)**

व्यावहारिक अभ्यास / प्रायोगिक कार्य

विद्यार्थियों को संपादन लैब में नियमित अभ्यास करना होगा और निम्नलिखित असाइनमेंट की फाइल (वीडियो) मूल्यांकन के लिए विभाग में प्रस्तुत करनी होगी :

1. **न्यूज पैकेज संपादन :** रॉ विजुअल्स, वॉयस ओवर और साउंड बाइट्स का उपयोग करके एक टेलीविजन समाचार पैकेज (ग्राफिक्स और लोअर-थर्ड के साथ) संपादित करना।
2. **शॉर्ट फिल्म/फीचर संपादन :** एक शॉर्ट फिल्म या वीडियो फीचर स्टोरी का संपादन करना, जिसमें साउंड मिक्सिंग और कलर करेक्शन का प्रभावी उपयोग हो।
3. **प्रोमो और बुलेटिन पैकेजिंग :** व्यक्तिगत अथवा समूह अभ्यास के तहत एक टीवी कार्यक्रम या न्यूज बुलेटिन के लिए आकर्षक मोंटाज, प्रोमो या ओपनिंग सिग्नेचर वीडियो तैयार करना।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2012). जनमाध्यम, प्रौद्योगिकी और विचारधारा. दिल्ली : अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स.
- झा, प्रवीण कुमार (2021). टेलीविजन चैनल और सत्यकथाकरण. गाज़ियाबाद : तरुण प्रकाशन.
- दिलवाली, अशोक (2009). फोटोग्राफी : सम्पूर्ण जानकारी (शमशेर सिंह, अनु.). नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास.
- प्रधान, आनंद (2013). न्यूज चैनलों का जनतंत्र. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
- विलियम्स, रेमंड (2010). टेलीविजनः प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप. नई दिल्ली : ग्रंथशिल्पी.
- विद्रोही, विजय (2014). नब्बे सेकंड की टीवी पत्रकारिता. नई दिल्ली : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, इंडिया.
- वर्णवाल, हरीश चंद्र (2010). टेलीविजन की भाषा. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
- सिंह, देवव्रत (2007). भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया. नई दिल्ली : प्रभात प्रकाशन.
- Bittner, J. R. (1991). Broadcasting and telecommunication : An introduction. Englewood Cliffs, NJ : Prentice Hall.
- Boyd, A. (1999). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news (4th ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Boyd, A. (2001). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news. New Delhi : Oxford University Press.

- Fleming, C. (2002). The radio handbook. London : Routledge.
- Harris, C. R., & Lester, P. M. (2002). Visual communication : A guide for new media professionals. Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Johnson, K. (2000). Television and social change in rural India. New Delhi : Sage Publications.
- Luthra, H. R. (1986). Indian broadcasting. New Delhi : Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.
- Masani, M. (1985). Broadcasting and the people. New Delhi : National Book Trust.
- Mehta, N. (2008). Television in India : Satellites, politics and cultural change. New York, NY : Routledge.
- Musburger, R. B. (2000). An introduction to writing for electronic media : Scriptwriting essentials across the genres. Boston, MA : Focal Press.
- Papper, R. A. (1995). Broadcast news writing stylebook. Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Saksena, G. (1996). Television in India : Changes and challenges. New Delhi : Vikas Publishing House.
- Srivastava, K. M. (2005). Broadcast journalism in the 21st century. New Delhi : Sterling Publishers.
- Thompson, R., & Malone, C. (2004). The broadcast journalism handbook : A television news survival guide. Lanham, MD : Rowman & Littlefield Publishers.
- White, T. (1996). Broadcast news writing, reporting, and producing (2nd ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Yorke, I. (1995). Television news (3rd ed.). Oxford : Focal Press.

*****

दशम पत्र PGDHJ 010	टेलीविजन शोध एवं कार्यक्रम निर्माण

L : 1 + P : 2 = कुल 3 क्रेडिट **L (Lecture/व्याख्यान) : 1 क्रेडिट (15 घंटे)** **P (Practical/व्यावहारिक अभ्यास) : 2 क्रेडिट (60 घंटे)** **T (Tutorial/ट्यूटोरियल) : 7 घंटे (Non-Credit)** **L : 15 + P : 60 + T : 7 = कुल 82 घंटे**	**सैद्धांतिक अंक : 40** **प्रायोगिक अंक : 60** **कुल अंक : 100**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- प्रशिक्षुओं को टेलीविजन कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक शोध और विधाओं से परिचित कराना और उन्हें समाचार चैनलों के रिसर्च डेस्क के लिए तैयार करना।
- टेलीविजन न्यूज और नॉन-न्यूज (मनोरंजन, वृत्तचित्र आदि) कार्यक्रमों के लिए कंटेंट रिसर्च, आइडिया जेनरेशन और स्टोरीबोर्ड की समझ विकसित करना।
- प्रसारण पत्रकारिता के व्यावहारिक पहलुओं जैसे- वीडियो संपादन, कैमरा संचालन, प्रकाश-ध्वनि संयोजन और विजुअल इफेक्ट्स के साथ कार्यक्रम का प्रोडक्शन करने में दक्ष बनाना।

पाठ्यक्रम बोध का परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रशिक्षु टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए विषय, चरित्र और दृश्य (विजुअल) शोध की दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
- वे टीवी डाक्यूमेंट्री, टॉक शो, साक्षात्कार और फिक्शन/नॉन-फिक्शन लेखन के व्यावहारिक कौशल में निपुण हो सकेंगे।
- सामाजिक सरोकारों व प्रसारण नैतिकता के अनुरूप कंटेंट बनाकर समाज में एक सभ्य नागरिक के रूप में योगदान दे सकेंगे।
- प्रशिक्षु टेलीविजन रेटिंग (TRP), ऑडियंस रिसर्च और बार्क (BARC) की व्यावसायिक कार्यप्रणाली को समझ सकेंगे।
- वे सामूहिक टीम भावना के साथ व्यावहारिक स्तर पर एक 'टेलीविजन शो' अथवा 'शॉर्ट फिल्म' बनाने में सक्षम हो सकेंगे।

खंड–1 : टेलीविजन शोध की अवधारणा और प्रणालियां **(L- 4 घंटे, T-1 घंटा)**

- **टेलीविजन/ दृश्य-श्रव्य प्रोडक्शन एवं शोध** : प्री-प्रोडक्शन, प्रोडक्शन और पोस्ट-प्रोडक्शन, टेलीविजन शोध की अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व
- **कंटेंट और बैकग्राउंड रिसर्च** : किसी विषय या घटना पर इन-डेप्थ रिसर्च करने के तरीके, प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का उपयोग, तथ्यों की पुष्टि (फैक्ट चेकिंग)।
- **ऑडिएंस रिसर्च और टीआरपी** : दर्शकों की पसंद को समझने के तरीके, पीपल मीटर्स, डायरी पद्धति, ओपिनियन पोल और टीआरपी एवं बार्क (BARC), कनेक्टेड टीवी, यू-ट्यूब व्यूअरशिप डेटा का कार्यक्रम निर्माण में उपयोग।
- **अभिलेखीय शोध :** ऐतिहासिक और समसामयिक कार्यक्रमों के लिए विजुअल आर्काइव (लाइब्रेरी फुटेज) और डेटा का उपयोग।

खंड–2 : **(L- 4 घंटे, T-2 घंटे)**

विचार से पटकथा तक : प्री-प्रोडक्शन एवं विजुअल स्क्रिप्टिंग

- **आइडिया से कॉन्सेप्ट तक** : टेलीविजन कार्यक्रम (वृत्तचित्र, टॉक-शो, विशेष रिपोर्ट) के लिए नए विचारों की खोज और उनका मूल्यांकन।
- **स्टोरीबोर्डिंग और प्लानिंग** : दृश्य और श्रव्य तत्वों का संयोजन, दृश्यों का खाका (स्टोरी बोर्ड) तैयार करना।
- **टेलीविजन स्क्रिप्ट लेखन** : कंटेन्ट रिसर्च, फैक्ट चेक, वीडियो के लिए लेखन की भाषा और शैली, टू-कॉलम स्क्रिप्ट (विजुअल और ऑडियो), एंकर लिंक और वॉयस ओवर लिखना।
- **साक्षात्कार और डिबेट शो की तैयारी** : पैनलिस्टों का चयन, शोध-आधारित प्रश्नावली तैयार करना और टॉक-शो का ढांचा तैयार करना।

खंड–3 : **(L- 4 घंटे, T-2 घंटे)**

टेलीविजन प्रोडक्शन और स्टूडियो संरचना

- **टेलीविजन समाचार कक्ष और स्टूडियो का ढांचा** : इनपुट, आउटपुट, असाइनमेंट डेस्क और पीसीआर की कार्यप्रणाली।
- **कैमरा और विजुअल कंपोजिशन** : वीडियो कैमरा के प्रकार, संचालन, शॉट्स (Shots), एंगल्स (Angles) और कंपोजिशन के नियम।
- **स्टूडियो लाइटिंग और साउंड** : प्रकाश व्यवस्था के सिद्धांत, स्टूडियो सेट डिजाइन और ध्वनि संयोजन।
- **ईएनजी (ENG) और फील्ड प्रोडक्शन** : स्टूडियो के बाहर (ऑन-फील्ड) डॉक्यूमेंट्री या विशेष कार्यक्रम की शूटिंग की चुनौतियाँ और प्रबंधन।

खंड–4 : **(L- 3 घंटे, T-2 घंटे)**

पोस्ट-प्रोडक्शन और विजुअल एस्थेटिक्स

- **वीडियो संपादन :** रेखीय (लीनियर) संपादन, गैर-रेखीय (नॉन लीनियर) संपादन, असेंबल और रफ कट, वीडियो संपादन के सॉफ्टवेयर-एफसीपी और एडॉब प्रीमियर प्रो।
- **विजुअल एवं साउंड इफेक्ट्स** : ग्राफिक्स, एनिमेशन, बैकग्राउंड म्यूजिक, वॉयस ओवर मिक्सिंग और 'क्रोमा-की' का उपयोग।
- **न्यूज पैकेजिंग :** न्यूज पैकेज, मोंटाज (Montage), टिकर, ब्रेकिंग न्यूज टेम्पलेट्स और प्रोमो निर्माण की प्रक्रिया।

खंड–5 : **P- 60 घंटे (60 अंक)**

व्यावहारिक / प्रायोगिक कार्य

प्रत्येक विद्यार्थी या विद्यार्थियों के समूह (आंतरिक/बाह्य संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में) को निम्नलिखित व्यावहारिक असाइनमेंट पूरा करके निर्धारित प्रारूप में मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा :

1. **रिसर्च एवं स्क्रिप्ट :** किसी सामाजिक, सांस्कृतिक या आर्थिक मुद्दे पर 5 से 15 मिनट के कार्यक्रम की स्क्रिप्ट (शोध आधारित) तैयार करना।
2. **शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री/विशेष न्यूज पैकेज** : फील्ड में जाकर कैमरा संचालन, वॉयस ओवर और वीडियो संपादन करते हुए 10-15 मिनट की एक इन-डेप्थ स्टोरी या वृत्तचित्र तैयार करना। **इन-डेप्थ स्टोरी या वृत्तचित्र में 'विषय विशेषज्ञ' का साक्षात्कार शामिल करना है।**
3. **स्टूडियो प्रोडक्शन :** समूह में काम करते हुए एक टॉक-शो, किसी घटना पर संकाय/विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में 15 से 30 मिनट का विशेष कार्यक्रम तैयार करना (जिसमें पीसीआर गतिविधि, एंकरिंग, टेलीप्रॉम्प्टर का संचालन और ग्राफिक्स का उपयोग शामिल हो)।

संदर्भ और सहायक पुस्तक सूची :

- सिंह, देवव्रत (2009). टेलीविजन पत्रकारिता : एक परिचय, श्री नटराज प्रकाशन.
- विलियम्स, रेमंड (2010). टेलीविजनः प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक रूप. नई दिल्ली : ग्रंथशिल्पी.
- वर्णवाल, हरीश चंद्र (2010). टेलीविजन की भाषा. नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन.
- Bittner, J. R. (1991). Broadcasting and telecommunication : An introduction. Englewood Cliffs, NJ : Prentice Hall.
- Boyd, A. (1999). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news (4th ed.). Boston, MA : Focal Press.
- Boyd, A. (2001). Broadcast journalism : Techniques of radio and television news. New Delhi : Oxford University Press.
- Harris, C. R., & Lester, P. M. (2002). Visual communication : A guide for new media professionals. Boston, MA : Allyn and Bacon.
- Musburger, R. B. (2000). An introduction to writing for electronic media : Scriptwriting essentials across the genres. Boston, MA : Focal Press.
- Papper, R. A. (1995). Broadcast news writing stylebook. Boston, MA : Allyn and Bacon.

- Srivastava, K. M. (2005). Broadcast journalism in the 21st century. New Delhi : Sterling Publishers.
- Singh, D. (2012). Television patrakarita. New Delhi : Radhakrishna Prakashan.
- Singh, S. (2014). Television patrakarita. New Delhi : Radhakrishna Prakashan.
- Thompson, R., & Malone, C. (2004). The broadcast journalism handbook : A television news survival guide. Lanham, MD : Rowman & Littlefield Publishers.
- White, T. (1996). Broadcast news writing, reporting, and producing (2nd ed.). Boston, MA : Focal Press.

*****

इंटर्नशिप

क्रेडिट : 4

दूसरे सेमेस्टर के अंत में प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रूप से किसी अन्य मीडिया संगठन के साथ एक महीने की इंटर्नशिप करनी होगी और इंटर्नशिप की अवधि के दौरान अपने प्रदर्शन पर संबंधित संगठन से प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।

*****

भारतीय जन संचार संस्थान

(समविश्वविद्यालय)